सांध्य दैनिक
नई दृष्टिबिंदु
सच की शक्ति, जनता की दृष्टि
PRGI Reg No - CTHIN/25/A3746

सु-विचार
"न संघर्ष खत्म होता है और न ही शिकायतें, धीरे-धीरे जो खत्म हो रही है वो है उम्र ...!!"
अज्ञात...

वर्ष-01 अंक-126 | संपादक आलोक तिवारी | दुर्ग, मंगलवार 26 मई 2026 | पृष्ठ 08 | मूल्य -2 रुपए

दुर्ग पुलिस ने म्यूल अकाउंट गिरोह का पर्दाफाश, मास्टरमाइंड समेत तीन गिरफ्तार

2022 से चला रहे थे कारोबार : 200 से ज्यादा खाते खुलवाकर साइबर ठगों को बेचे, करोड़ों का ट्रांजेक्शन

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

दुर्ग पुलिस ने साइबर और आर्थिक अपराधियों को म्यूल अकाउंट उपलब्ध कराने वाले संगठित गिरोह का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने गिरोह के मास्टरमाइंड मनोज कुमार भुतड़ा समेत तीन आरोपियों को सुपेला ओवरब्रिज के पास घेराबंदी कर गिरफ्तार किया है। आरोपी 2022 से अवैध रूप से बैंक खाते खुलवाकर साइबर अपराधियों को बेच रहे थे।

11 पासबुक, 7 एटीएम कार्ड बरामद

पुलिस ने आरोपियों के पास से 11 पासबुक, 7 एटीएम कार्ड, 3 फिनो पेमेंट किट, 3 आधार कार्ड और 1 पैन कार्ड बरामद किए हैं। गिरफ्तार आरोपियों में मास्टरमाइंड मनोज कुमार भुतड़ा 33 वर्ष निवासी बिरेतरा चौकी हल्दी जिला बालोद, केवल सेठिया 26 वर्ष निवासी केसलुर बस्तर और सत्यनारायण सेठिया 26 वर्ष निवासी मांझीगुड़ा थाना दरभा बस्तर शामिल हैं।

15 हजार से 50 हजार में बेचते थे खाते

पूछताछ में मास्टरमाइंड मनोज भुतड़ा ने बताया कि वह 2022 से म्यूल अकाउंट का कारोबार कर रहा था। साधारण बैंक खाते 15 से 20 हजार रुपये और करंट अकाउंट 40 से 50 हजार रुपये में आर्थिक अपराध में संलिप्त लोगों को बेचे जाते थे। आरोपी ने अब तक लगभग 200 से अधिक म्यूल अकाउंट अपने नाम रूद्र किराना एवं सहयोगियों के नाम पर खुलवाए हैं।

खुद डालता था मिनिमम बैलेंस, बाद में निकाल लेता था रकम

आरोपी खाता खुलवाने के लिए मिनिमम बैंक बैलेंस की राशि खुद उपलब्ध कराता था और खाता खुलने के बाद रकम निकाल लेता था। इंडसइंड बैंक, आईडीएफसी बैंक, कोटक महिंद्रा बैंक सहित विभिन्न बैंकों में खोले गए खातों में करोड़ों रुपये के ट्रांजेक्शन का खुलासा हुआ है। बालोद, गुण्डरदेही, दुर्ग, जगदलपुर समेत अन्य क्षेत्रों में संगठित तरीके से खाते खुलवाए गए थे।

होल्ड कराकर खुद निकाल लेता था पैसा

पुलिस के अनुसार आरोपी इतना शातिर है कि बड़े ट्रांजेक्शन वाले खातों को बैंक में होल्ड कराकर खुद बैंक से संपर्क कर होल्ड हटवाता था और रकम आहरित कर लेता था। बैंक में उसकी पकड़ थी। उसने अन्य राज्यों में भी खाते खुलवाए हैं।

गाजियाबाद, सूरत, रायपुर पुलिस को भी थी तलाश

आरोपी को गाजियाबाद, सूरत, जगदलपुर और रायपुर पुलिस भी म्यूल खातों के मामलों में तलाश रही थी। वर्तमान में वह बालोद जिले के गुण्डरदेही थाना क्षेत्र के ग्राम तर्राभाठा में रह रहा था। इसके साथी जगदलपुर, बालोद, गुण्डरदेही में सक्रिय थे।

ऐसे पकड़े गए आरोपी

24 मई 2026 को पुलिस को टिप मिली कि जगदलपुर का मनोज कुमार भुतड़ा अपने साथियों सहित म्यूल अकाउंट का स्टाफ लेकर खपाने भिलाई आया है। इस पर सुपेला एवं एसीसीयू की टीम ने घेराबंदी कर पांच रास्ता हनुमान मंदिर सुपेला ओवरब्रिज के पास इन्हें धर दबोचा।थाना सुपेला में अपराध क्र. 718/2026 धारा 317(2), 318 (4) बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर तीनों आरोपियों को 25 मई को गिरफ्तार किया गया। अन्य साथियों की गिरफ्तारी के लिए अलग-अलग टीम रवाना की गई है।

शिवनंदनपुर चुनाव में कांग्रेस नेता पर केस

विश्रामपुर थाने के सामने पीसीसी अध्यक्ष दीपक बैज धरने पर

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर-सूरजपुर

सूरजपुर जिले के शिवनंदनपुर नगर पंचायत चुनाव के बीच सियासी घमासान तेज हो गया है। कांग्रेस ने भाजपा सरकार पर चुनाव प्रभावित करने के लिए झूठा केस दर्ज करने का आरोप लगाते हुए विश्रामपुर थाने के सामने अनिश्चितकालीन धरना शुरू कर दिया है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज खुद कार्यकर्ताओं के साथ थाने के सामने धरने पर बैठे हैं।

कांग्रेस नेता पर आर्म्स एक्ट का केस : कांग्रेस का आरोप है कि भाजपा सरकार ने शिवनंदनपुर नगर पंचायत चुनाव को प्रभावित करने के लिए कांग्रेस के चुनाव संचालक और जिला कांग्रेस कमेटी के महामंत्री नरेन्द्र जैन के खिलाफ आर्म्स एक्ट का झूठा मुकदमा दर्ज किया है। इसी के विरोध में कांग्रेस ने मोर्चा खोल दिया है।

टीएस सिंहदेव पहुंचे, भूपेश बघेल आज जाएंगे : बीती रात कांग्रेस के वरिष्ठ नेता टीएस सिंहदेव भी विश्रामपुर पहुंचे और धरना स्थल पर बैठकर कांग्रेसजनों का समर्थन किया। कांग्रेस के महासचिव और पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल भी आज सूरजपुर पहुंचकर आंदोलन में शामिल होंगे।

चुनाव आयुक्त से शिकायत : कांग्रेस के एक प्रतिनिधिमंडल ने राज्य चुनाव आयुक्त से मुलाकात कर मामले की शिकायत की है। प्रतिनिधिमंडल ने दोषी थानेदार को तत्काल निलंबित करने की मांग की है।

'हार के डर से सत्ता का दुरुपयोग': दीपक बैज : प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि भाजपा को अहसास हो गया है कि वह चुनाव हार रही है, इसलिए सत्ता का दुरुपयोग कर रही है। उन्होंने कहा, "कांग्रेस इस कुचक्र का डटकर मुकाबला करेगी। हम भाजपा के अलोकतांत्रिक कदम का विरोध करते हैं।"

वरिष्ठ नेता धरने में शामिल : विश्रामपुर थाने के सामने चल रहे अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन में सांसद ज्योत्सना महंत, पूर्व मंत्री अमरजीत भगत, जिला अध्यक्ष शशि सिंह सहित कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद हैं।

बीएसपी के यूनिवर्सल रेल मिल ने बनाया नया रिकॉर्ड, एक दिन में 3,867 टन रेल उत्पादन

आर-260-60ए1 प्रोफाइल में 462 ब्लूम्स की रोलिंग, पुराना कीर्तिमान टूटा

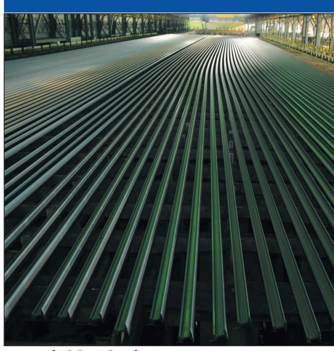

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के यूनिवर्सल रेल मिल (यूआरएम) ने रेल उत्पादन में नया दैनिक कीर्तिमान स्थापित किया है। 22 मई 2026 को मिल ने आर-260-60ए1 रेल प्रोफाइल में 462 ब्लूम्स के साथ कुल 3,867 टन रेल का उत्पादन कर डे रिकॉर्ड बनाया। इसके साथ ही 12 मार्च 2025 को बने 3,852 टन और 455 ब्लूम्स के पुराने रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया।

निदेशक प्रभारी ने दी बधाई

इस उपलब्धि पर निदेशक प्रभारी (सेल-बीएसपी) चित्त रंजन महापात्र और कार्यपालक निदेशक (संकार्य) राकेश कुमार ने यूआरएम की पूरी टीम को बधाई दी। उन्होंने कार्मिकों से इसी समर्पण के साथ वर्तमान वित्तीय वर्ष के लक्ष्यों को हासिल करने और नए कीर्तिमान बनाने का आह्वान किया।

सामूहिक प्रयास का परिणाम

मुख्य महाप्रबंधक एवं विभागाध्यक्ष (बीआरएम एवं यूआरएम) योगेश शास्त्री ने कहा कि यह सफलता सतत मॉनिटरिंग, बेहतर समन्वय और निरंतर परिश्रम का नतीजा है। उन्होंने सहयोगी विभागों एसएमएस-2, एसएमएस-3, ट्रैफिक, पीपीसी, आरसीएल, इंस्ट्रुमेंटेशन, ए एंड डी, सेंट्रल इलेक्ट्रिकल, सेंट्रल मैकेनिकल टीमों और तृतीय पक्ष निरीक्षण एजेंसी राइट्स के सहयोग की सराहना की।

260 मीटर लंबे रेल पैनल का निर्माण

यूआरएम 260 मीटर लंबे रेल पैनल का निर्माण करता है। मिल का प्रमुख ग्राहक भारतीय रेलवे है। यहां उत्पाद गुणवत्ता और समयबद्ध उत्पादन को प्राथमिकता देते हुए शत-प्रतिशत ग्राहक संतुष्टि पर काम किया जा रहा है। बीएसपी में बने ये रेल पैनल देश में रेलवे अवसंरचना के विस्तार और विकास में अहम भूमिका निभा रहे हैं।

कुख्यात नकबजन नासिर हुसैन दिल्ली से गिरफ्तार, 20 लाख की संपत्ति बरामद

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

दुर्ग पुलिस ने अंतरराज्यीय चोरी गिरोह के सक्रिय और कुख्यात नकबजन नासिर हुसैन को दिल्ली से गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी से डायमंड-प्लेटिनम ज्वेलरी, 7.500 ग्राम सोना, चांदी के सिक्के, आभूषण, नकदी और सेल्टॉस कार समेत करीब 20 लाख रुपये की संपत्ति बरामद की गई है। आरोपी बिहार के दरभंगा भाग रहा था, जिसे यमुना एक्सप्रेस-वे पर 300 किलोमीटर तक पीछा कर आगरा रोड पर घेराबंदी कर पकड़ा गया।

15 दिन दिल्ली में रहकर जुटाई जानकारी

मई के प्रथम सप्ताह में नेहरू नगर भिलाई, थाना सुपेला और पद्मनाभपुर दुर्ग क्षेत्र में हुई चोरियों के खुलासे के लिए पुलिस टीम 15 दिनों तक दिल्ली के शाहीन बाग, मदनपुर खादर और नोएडा क्षेत्र में रही। आरोपी घनी आबादी और संकरी गलियों में लगातार ठिकाना बदल रहा था। पुलिस ने जनगणना अधिकारी और स्थानीय बकरा विक्रेता बनकर एक सप्ताह तक गोपनीय तरीके से जानकारी जुटाई।

पुलिस को सूचना मिली कि नासिर हुसैन चोरी के सोने-चांदी से खरीदी गई किआ सेल्टॉस कार उ्छ-4उ/अे-7383 से दरभंगा भाग रहा है। सूचना पर टीम ने यमुना एक्सप्रेस-वे पर 150-160 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से भाग रहे आरोपी का करीब 300 किमी तक पीछा किया और आगरा रोड क्षेत्र में घेराबंदी कर हिरासत में लिया।

2019 से कर रहा था चोरियां, करोड़ों का माल उड़ाया

पूछताछ में 32 वर्षीय मोहम्मद नासिर हुसैन उर्फ आनस खान ने बताया कि वह 2019 से अपने साथियों के साथ मध्यप्रदेश के भोपाल, इंदौर, चंडीगढ़ तथा छत्तीसगढ़ के बिलासपुर, रायपुर, दुर्ग और भिलाई में करोड़ों रुपये की चोरियों में शामिल रहा है। चोरी के पैसों से उसने 10 लाख की सेकंड हैंड किआ सेल्टॉस कार खरीदी थी।

आरोपी की निशानदेही पर 1.22 लाख नकद, 7 लाख का डायमंड ब्रेसलेट, 50 हजार का अमेरिकन डायमंड, 7.500 ग्राम सोने के आभूषण, 5.60 ग्राम चांदी के सिक्के-आभूषण, 3 लाख के नए कपड़े-साड़ियां और 8 लाख की कार समेत कुल 20 लाख की संपत्ति जब्त की गई। इस प्रकरण में पूर्व में हाशिम खान निवासी शालीमार गेट मेरठ, ज्वेलरी व्यवसायी सलीम खान मेरठ और बिलासपुर निवासी शाहिल को गिरफ्तार कर 60 लाख का सोना बरामद किया जा चुका है। आरोपी नासिर को दिल्ली से ट्रांजिट रिमांड पर लाकर दुर्ग न्यायालय में पेश किया गया है।

कबीर नगर में घर पर पटाखा फेंककर धमकाने वाले 6 आरोपी गिरफ्तार, चोरी का भी खुलासा

पुलिस ने 4 युवक और 2 नाबालिग पकड़े, माना क्षेत्र की दुकान में की थी चोरी

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

कबीर नगर पुलिस ने घर पर पटाखा बम फेंककर और चाकू दिखाकर धमकी देने वाले 6 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपियों में 4 युवक, 1 अपचारी बालक और 1 अपचारी बालिका शामिल है। पूछताछ में थाना माना क्षेत्र के बोरिया कला में खिलौने की दुकान में चोरी की वारदात का भी खुलासा हुआ है।

आधी रात को फेंका पटाखा, चाकू दिखाकर दी धमकी

घटना 24 मई 2026 की रात करीब 1 बजे की है। प्राथिर्या रिंकु तिवारी पति प्रधुमन तिवारी, उम्र 36 वर्ष, निवासी हीरापुर वीर सावरकर नगर छक्क्ह्922, कबीर नगर के घर पर असामाजिक तत्वों ने पटाखा बम फेंककर हमला किया और चाकू दिखाकर जान से मारने की धमकी दी। रिपोर्ट पर थाना कबीर नगर में अपराध क्रमांक 104/25 धारा 296, 351(2), 3(5) एवं 25,27 आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया।

घेराबंदी कर 6 को पकड़ा : मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने मुखबिरों और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर घेराबंदी कर 6 आरोपियों को हिरासत में लिया। गिरफ्तार आरोपियों में सोनू पटेल 20 वर्ष, आकाश पासवान 21 वर्ष, सूरज सिंह 22 वर्ष, शेख कलीम 18 वर्ष 01 माह, 1 अपचारी बालक और 1 अपचारी बालिका शामिल हैं।

पूछताछ में माना की चोरी कबूली : कड़ाई से पूछताछ में आरोपियों ने अपने एक अन्य साथी के साथ मिलकर थाना माना क्षेत्र के बोरिया कला स्थित खिलौने की दुकान में चोरी करना कबूल किया। चोरी का सामान भी बरामद कर लिया गया है।

धारदार चाकू जब्त, जेल भेजे गए आरोपी

पुलिस ने घटना में प्रयुक्त धारदार चाकू जब्त किया है। सभी बालिग आरोपियों सोनू पटेल, आकाश पासवान, शेख कलीम और सूरज सिंह को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेजा जा रहा है। अपचारी बालक व बालिका को नियमानुसार बाल न्यायालय/किशोरी बोर्ड के समक्ष प्रस्तुत किया जा रहा है। रायपुर कमिश्नरेट पुलिस ने कहा कि अपराधियों के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति पर काम किया जा रहा है। कबीर नगर पुलिस की मुस्तैदी से न सिर्फ डराने-धमकाने वाले आरोपी पकड़े गए, बल्कि दूसरे थाना क्षेत्र की चोरी की वारदात का भी पर्दाफाश हुआ है।

नक्सली हमले में झीरम घाटी के शहीदों को दुर्ग में कांग्रेस नेताओं ने दी श्रद्धांजलि

जिला अध्यक्ष धीरज बाकलीवाल बोले- शहीदों का सपना था भयमुक्त-समृद्ध छत्तीसगढ़, उसे पूरा करना ही सच्ची श्रद्धांजलि

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

25 मई 2013 को झीरम घाटी में हुए नक्सली हमले में शहीद कांग्रेस नेताओं को आज दुर्ग जिला कांग्रेस कमेटी ने भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। जिला कांग्रेस अध्यक्ष धीरज बाकलीवाल की उपस्थिति में पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने शहीदों की शहादत को नमन किया और दो मिनट का मौन रखकर आत्माओं की शांति के लिए प्रार्थना की।

लोकतंत्र पर कायरतापूर्ण प्रहार था झीरम

श्रद्धांजलि सभा को संबोधित करते हुए जिला अध्यक्ष धीरज बाकलीवाल ने कहा कि आज का दिन हम सभी के लिए अत्यंत भावुक और गंभीर है। झीरम घाटी का वह मंजर याद करके आज भी रूह कांप उठती है। वह केवल हमला नहीं था, बल्कि लोकतांत्रिक व्यवस्था और छत्तीसगढ़ की शांति पर कायरतापूर्ण प्रहार था। लेकिन हमारे नेताओं ने पीठ नहीं दिखाई, वे लड़ते-लड़ते शहीद हो गए।

नंदकुमार पटेल और महेंद्र कर्मा को किया याद

बाकलीवाल ने कहा कि हम जनप्रिय नेता स्व. नंदकुमार पटेल की संगठनात्मक क्षमता और सौम्य मुस्कान को याद करते हैं। बस्तर के टाइगर कहे जाने वाले स्व. महेंद्र कर्मा को नमन करते हैं, जिन्होंने बस्तर की जनता की सुरक्षा के लिए अंतिम सांस तक लड़ाई लड़ी। स्व. उदय मुदलियार के संघर्षशील जीवन को भी याद किया गया। उन्होंने कहा कि उस काली रात में शहीद हुए सभी नेता, सुरक्षा बल के जवान और कार्यकर्ताओं का बलिदान प्रदेश कभी नहीं भूलेगा।

शहीदों का सपना पूरा करना ही सच्ची श्रद्धांजलि

जिला अध्यक्ष ने कहा कि इन शहीदों को सच्ची श्रद्धांजलि सिर्फ फूल चढ़ाने से नहीं होगी। सच्ची श्रद्धांजलि तब मिलेगी जब हम उनके दिखाए रास्ते पर चलेंगे। उन्होंने जिस भयमुक्त, शांत और समृद्ध छत्तीसगढ़ का सपना देखा था, उसे पूरा करने के लिए हम खुद को समर्पित करें। उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं से संकल्प लेने की अपील की कि शहीदों का सर्वोच्च बलिदान व्यर्थ नहीं जाने देंगे।

इस मौके पर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता, पदाधिकारी और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद थे। कार्यक्रम की जानकारी जिला कांग्रेस प्रवक्ता नासिर खोखर ने दी।

खास खबर

ईदुल अजहा का शासकीय अवकाश 27 की बजाय 28 मई को देने उठी मांग

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

छत्तीसगढ़ प्रदेश स्वास्थ्य कर्मचारी संघ के प्रदेश महामंत्री सैय्यद असलम ने ईदुल अजहा (बकरीद) का अवकाश 27 मई के बजाए संशोधित कर 28 मई को देने की मांग रखी है। इस संबंध में उन्होंने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और मुख्य सचिव छत्तीसगढ़ शासन को पत्र भेज कर बताया है ईदुल अजहा का पर्व पूरे देश मे 28 मई को मनाया जा रहा है। क्योंकि मुस्लिम समुदाय के कैलेंडर के अनुसार चांद की 10 वीं तारीख 28 मई को पड़ रही है। उन्होंने मांग उठाते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा ईदुल अजहा का शासकीय अवकाश 27 मई को दिया गया है। इसके बदले संशोधित करते हुए इस पर्व का शासकीय अवकाश 28 मई को दिया जाना चाहिए जिससे सभी वर्ग के लोग इस पर्व को सामूहिक रूप से एक साथ मना सकें।

संघ के सलाहकार व सरक्षक ओपी शर्मा व प्रांताध्यक्ष अनिल पांडेय व प्रदेश महामंत्री सैय्यद असलम, कायर्कारी प्रांताध्यक्ष आर डी दीवान, महामंत्री एसपी देवांगन, प्रमेश पाल अजय नायक, बी के शुक्ला, सत्येंद्र गुप्ता, भूपेश उपाध्याय, लक्ष्मीकांत धोटे, रोशन सिंह, जी मोहन राव, एम पंडैया, खिलावन चंद्राकर, धनीराम ठाकुर, कुलेश्वर देशमुख, आर विश्वास, हर्षा मानिकपुरी, सोनसीर देशलहरे, सतरूपा निर्मलकर, नारायण साहू, वर्षा वर्मा, कविता साहू और मंजू राय सहित पदाधिकारियों ने कहा कि संशोधित अवकाश घोषित कर 28 मई को दिया जाए जिससे समस्त लोग इस पर्व को हर्षोल्लास के साथ एक साथ मना सकें।

सुशासन शिविर : तामेश्वर सिंह का वर्षो पुराना घर का सपना हुआ पूरा

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

तामेश्वर सिंह का वर्षों पुराना घर का सपना हुआ पूरा, शहर के निवासी तामेश्वर सिंह के लिए आज का दिन उनकी जिंदगी का सबसे यादगार दिन बन गया। हर आम नागरिक की तरह उनका भी सपना था कि उनका अपना एक मजबूत और सुरक्षित घर हो, जहाँ वे अपने परिवार के साथ सम्मान और सुकून से जीवन बिता सकें। लेकिन आर्थिक परेशानियों के चलते यह सपना वर्षों तक अधूरा ही रहा। किराए के मकान में रहने के दौरान उन्हें कई तरह की कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। मकान मालिक की शर्तों और मकान खाली कराने के डर के बीच परिवार के साथ जीवनयापन आसान नहीं था। छोटी-छोटी बातों पर भी हमेशा चिंता बनी रहती थी कि कहीं रहने का ठिकाना न छूट जाए।

आज आयोजित जन समस्या निवारण शिविर ने उनकी जिंदगी का सबसे बड़ा डर हमेशा के लिए खत्म कर दिया। 23 मई को आयोजित सुशासन शिविर में मुख्य अतिथि केबिनेट मंत्री गजेंद्र यादव, महापौर अलका बाघमार द्वारा संभागयुक्त सत्यनारायण राठौर, कलेक्टर अभिजीत सिंह, आयुक्त सुमित अग्रवाल, सभापति श्याम शर्मा एवं जन प्रतिनिधियों की उपस्थिति में मंच से तामेश्वर सिंह को प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत नए पक्के मकान की चाबी और स्वीकृति पत्र प्रदान किया गया। अब उनके परिवार को एक सुरक्षित और स्थायी छत मिल गई है, जहाँ उनके बच्चे सुरक्षित माहौल में पढ़ाई कर सकेंगे और पूरा परिवार सम्मान और गरिमा के साथ अपना जीवन जी सकेगा। भावुक होते हुए तामेश्वर सिंह ने कहा कि उन्होंने कभी नहीं सोचा था कि उनका वर्षों पुराना सपना इतनी खुशी के साथ पूरा होगा। उन्होंने प्रधानमंत्री, राज्य शासन, निगम प्रशासन और जनप्रतिनिधियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह सिर्फ एक मकान नहीं, बल्कि उनके परिवार के सुरक्षित और बेहतर भविष्य की नई शुरुआत है।

सड़क दुर्घटना में पैर गवां चुके मजदुर को सुशासन तिहार में मिला सहारा

नई दृष्टिबिंदु / रिसाली-भिलाई

नगर पालिक निगम रिसाली के सुशासन शिविर में सड़क दुर्घटना में एक पैर गवां चुके पुरैना के दिनेश साहू को सहारा मिला। दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर ने बैटरी चलित ट्राई सायकल प्रदान किया। दिनेश साहू एक वर्ष से ट्राई सायकल लेने कार्यालय का चक्कर लगा रहा था। सोमवार को 20 वार्डो के लिए लगाए शिविर में कुल 763 आवेदन प्राप्त हुए।

दरअसल दिहाड़ी श्रमिक दिनेश हताश होकर पुरैना के शिविर में पहुंचा था। वहां उसने दिव्यांगता का हवाला देते हुए अपनी पीड़ा क्षेत्रीय विधायक ललित चंद्राकर व कलेक्टर अभिजीत सिंह के समक्ष रखा था। दिनेश साहू का कहना था कि वह लगभग एक साल पहले सुबह-सुबह मजदुरी करने घर से निकला था। इसी बीच सिरसा गेट के निकट उसे हाइवा ने अपने चपेट में ले लिया। जब उसकी आँख खुली तो वह अस्पताल में था और दाहिना पैर गायब था।

पूरे घर की जिम्मेदारी अपने कांधे पर उठाने वाला दिनेश टूट चुका था। जैसे तैसे जयपुर में निर्मित पैर लगाने के बाद वह हिम्मत से चलना शुरू किया। उसकी इच्छा थी कि अगर बैटरी चलित ट्राई सायकल की मदद से वह फिर से कुछ कर सकता है, किन्तु दस्तावेजों के अभाव की वजह से ट्राई सायकल उपलब्ध नहीं हो पा रहा था। कलेक्टर अभिजीत ने पीड़ित की गुहार सुनने के बाद उसे शीघ्र बैटरी चलित ट्राई सायकल दिलाने का आश्वासन दिया था। सोमवार के शिविर में दिनेश को दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर ने ट्राई सायकल भेंट किया। शिविर का अवलोकन महापौर शशि सिन्हा, सभापति केशव बंछोर, नेता प्रतिपक्ष शैलेन्द्र साहू ने किया।

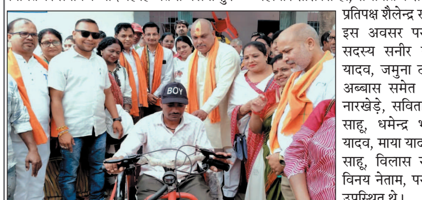

इस अवसर पर एमआईसी सदस्य सनीर साहू, ममता यादव, जमुना ठाकुर, जहीर अब्बास समेत पार्षद शीला नारखेड़े, सविता ढवस, रमा साहू, धमेन्द्र भगत, मनीष यादव, माया यादव, डॉ. सीमा साहू, विलास राव बोरकर, विनय नेताम, परमेश्वर आदि उपस्थित थे।

विधायक ललित चंद्राकर ने समूह को सौंपा चेक

दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर ने सुशासन शिविर में महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने संचालित छत्तीसगढ़ महिला कोष से एक लाख का ऋण ममतत्व स्व साहयता समूह को उपलब्ध कराया। वहीं विधायक, महापौर शशि सिन्हा, सभापति केशव बंछोर ने महिला एवं बाल विकास विभाग की योजना के तहत ज्योति रावते, दीपा ठाकुर, कौशल्या कुर्रे की गोद भराई रश्म की।

रिसाली क्षेत्र में आयुर्वेद प्राथमिक अस्पताल खोलने पहल

दुर्ग ग्रामीण विधायक ने नागरिकों को आश्वस्त किया कि रिसाली क्षेत्र में आयुर्वेदिक प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र खोलने वे पहल करेंगे। दरअसल सुशासन शिविर में आयुर्वेद दवाईयां लेने नागरिकों की भीड़ अधिक रहती है। इसे देख कर और नागरिकों से चर्चा करने विधायक ने प्राथमिक केन्द्र खोले जाने का आश्वासन दिया।

दुर्ग जिले में श्रमिक परेशान, समर्थन में उतरे अरुण वोरा 24 प्रतिशत पीएफ की कटौती

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

रसमड़ा स्थित टॉपवर्थ कंपनी में कार्यरत लगभग 250-300 श्रमिक परिवार इन दिनों गंभीर आर्थिक और मानसिक परेशानियों से जूझ रहे हैं। कमर्चारियों का आरोप है कि उनके वेतन से 24% पीएफ कटौती की जा रही है, लगातार अत्यधिक ओवरटाइम कराया जा रहा है तथा भुगतान में भी कटौती की जा रही है। अपनी इन्हीं मांगों और समस्याओं को लेकर श्रमिक पिछले 11 दिनों से आंदोलनरत हैं। श्रमिकों के समर्थन में दुर्ग शहर से विधायक रहे प्रदेश के वरिष्ठ कांग्रेस नेता अरुण वोरा रैली में शामिल हुए और कर्मचारियों की समस्याएं सुनीं। बड़ी संख्या में मौजूद श्रमिकों ने उन्हें अपनी पीड़ा और परिवारों पर पड़ रहे आर्थिक संकट से अवगत कराया।

इस दौरान अरुण वोरा ने कहा कि कमर्चारियों की आंखों में अपने परिवार और रोजगार को लेकर चिंता साफ दिखाई दे रही है। उन्होंने कहा कि जो श्रमिक दिन-रात मेहनत कर उद्योग को आगे बढ़ाते हैं, यदि वही अपने अधिकारों और वेतन के लिए सड़कों पर उतरने को मजबूर हों, तो यह बेहद गंभीर विषय है। प्रशासन और कंपनी प्रबंधन की जिम्मेदारी है कि कमर्चारियों की शिकायतों को गंभीरता से सुनते हुए निष्पक्ष जांच कर तत्काल समाधान निकाला जाए।

अरुण वोरा ने बताया कि उन्होंने इस पूरे मामले को लेकर जिला कलेक्टर से भी चर्चा की है और श्रमिकों को जल्द से जल्द राहत प्रदान करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि मजदूरों के इस संघर्ष में वे सदैव श्रमिक भाइयों के साथ मजबूती से खड़े रहेंगे।

मनरेगा से दुर्ग जिले में 68 हजार से अधिक श्रमिकों को मिल रहा रोजगार

3923 निर्माण कार्यो से गांवों में बढ़ा रोजगार, जल संरक्षण और ग्रामीण विकास को मिली नई गति

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

दुर्ग जिले में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के माध्यम से ग्रामीण श्रमिकों को लगातार रोजगार उपलब्ध कराया जा रहा है। जिले की ग्राम पंचायतों में संचालित निर्माण कार्यों से हजारों परिवारों को आजीविका का सहारा मिल रहा है, वहीं जल संरक्षण एवं ग्रामीण अधोसंरचना विकास को भी मजबूती मिल रही है। वर्तमान में जिले में प्रतिदिन 68 हजार 641 श्रमिक मनरेगा कार्यों में रोजगार प्राप्त कर रहे हैं। जिले की ग्राम पंचायतों में कुल 3923 निर्माण कार्य संचालित हैं तथा मांग के आधार पर प्रतिदिन नए श्रमिकों को कार्य उपलब्ध कराया जा रहा है।

जनपद पंचायतवार देखें तो जनपद पंचायत दुर्ग अंतर्गत 1048 कार्यों में 15 हजार 227 श्रमिक कार्यरत हैं। इसी प्रकार जनपद पंचायत धमधा अंतर्गत 1687 कार्यों में 29 हजार 695 श्रमिक तथा जनपद पंचायत पाटन अंतर्गत 1188 कार्यों में 23 हजार 719 श्रमिक रोजगार प्राप्त कर रहे हैं।

कुल 24 करोड़ 12 लाख 53 हजार रुपये की मजदूरी राशि जनपद पंचायतों एवं क्रियान्वयन एजेंसियों के माध्यम से भुगतान की जा चुकी है। इसके अंतर्गत जनपद पंचायत दुर्ग में 8 करोड़ 99 लाख 78 हजार रुपये, जनपद पंचायत धमधा में 6 करोड़ 69 लाख 48 हजार रुपये तथा जनपद पंचायत पाटन में 6 करोड़ 28 लाख 98 हजार रुपये की राशि संबंधित श्रमिकों के खातों में जमा की गई है। इसके अतिरिक्त अन्य क्रियान्वयन एजेंसियों के माध्यम से 2 करोड़ 14 लाख 29 हजार रुपये की मजदूरी राशि का भी भुगतान किया जा चुका है।

ग्रामीण क्षेत्रों में वतर्मान में अमृत सरोवर निर्माण, नवीन तालाब निर्माण, तालाब गहरीकरण, डबरी निर्माण, वाटर हार्वेस्टिंग टैंक (डब्ल्यूएचटी), कच्ची सिंचाई नाली निर्माण एवं अन्य मजदूरी मूलक कार्य प्राथमिकता से संचालित किए जा रहे हैं। इन कार्यों से एक ओर ग्रामीण श्रमिकों को स्थानीय स्तर पर रोजगार मिल रहा है, वहीं दूसरी ओर जल संरक्षण, भू-जल संवर्धन एवं कृषि कार्यों के लिए स्थायी परिसंपत्तियों का निर्माण भी हो रहा है।

कलेक्टर अभिजीत सिंह के मार्गदर्शन एवं मुख्य कायर्पालन अधिकारी जिला पंचायत दुर्ग बजरंग कुमार दुबे के निर्देशन में जिले की सभी ग्राम पंचायतों में जॉब काडर्धारियों को लगातार रोजगार उपलब्ध कराने विशेष अभियान चलाया जा रहा है। सभी मुख्य कायर्पालन अधिकारियों, कार्यक्रम अधिकारियों एवं मैदानी अमले को श्रमिकों की मांग के अनुसार तत्काल कार्य उपलब्ध कराने तथा नियमित निगरानी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

प्रशासन द्वारा यह भी सुनिश्चित किया जा रहा है कि जिले में किसी भी श्रमिक को रोजगार के लिए भटकना न पड़े तथा प्रत्येक ग्राम पंचायत में पर्याप्त संख्या में कार्य संचालित रहें। प्रशासन द्वारा श्रमिकों को समय पर मजदूरी भुगतान सुनिश्चित करने हेतु बैंक खाते एवं आधार सत्यापन कार्य को भी प्राथमिकता से पूर्ण किया गया है। इससे मजदूरी राशि सीधे श्रमिकों के बैंक खातों में हस्तांतरित की जा रही है तथा भुगतान प्रक्रिया अधिक पारदर्शी एवं सुगम बनी है। इसके साथ ही श्रमिकों को अधिकतम 100 दिवस का रोजगार उपलब्ध कराने पर विशेष जोर दिया जा रहा है। सभी तकनीकी सहायकों को कार्यस्थलों पर गुणवत्तापूर्ण निर्माण कार्य सुनिश्चित करने, सूचना बोर्ड लगाने एवं समय-समय पर निरीक्षण करने के निर्देश दिए गए हैं।

दुर्ग संभाग रैपिड शतरंज स्पर्धा में दुर्ग के राहुल विजेता व राजनांदगांव के शालिक उपविजेता बने

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

छत्तीसगढ़ प्रदेश शतरंज संघ के निर्देशन में जिला शतरंज संघ दुर्ग द्वारा रायसोनी स्पोर्ट्स एवं कल्चर फाउंडेशन तथा कल्पना प्रकाश वेलफेयर फाउंडेशन के सहयोग से जी एच रायसोनी स्मृति दुर्ग संभाग रैपिड शतरंज स्पर्धा में सात अंक में साढ़े 6 अंक प्राप्त कर दुर्ग के राहुल शर्मा ने विजेता बनने का गौरव प्राप्त किया उन्हें 11 हजार रूपए नगद एवं विजेता ट्रॉफी एवं राजनांदगांव के शालिक नवाज मनिहार ने भी साढ़े 6 अंक हासिल कर उपविजेता बने उन्हें 7 हजार रुपए नगद एवं उपविजेता ट्रॉफी अतिथियों द्वारा प्रदान किया गया।

जिला शतरंज संघ दुर्ग के अध्यक्ष ईश्वर सिंह राजपूत सचिव तुलसी सोनी ने स्पर्धा संबंधी जानकारी देते हुए बताया कि स्पर्धा में दुर्ग संभाग के 168 खिलाड़ियों ने भाग लिया। स्पर्धा में कुल 51 हजार रुपए नगद राशि के अलावा ट्रॉफी, मोमेंटो एवं सभी खिलाड़ियों को मेडल एवं ई सर्टिफिकेट प्रदान किया गया। सभी विजेताओं एवं अन्य खिलाड़ियों को समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह के मुख्य अतिथि समाजसेवी विजय अग्रवाल, कार्यक्रम के अध्यक्ष समाजसेवी कैलाश जैन बरमेचा एवं विशिष्ट अतिथि समाजसेविका श्रीमती पूनम राजा, दाऊ चंद्रिकादत चंद्राकर, इंटरनेशनल आर्बिटर अलंकार भिवगड़े, रॉकी देवांगन ने पुरस्कार वितरण किया।

इस अवसर पर अपने अपने उद्बोधन में मुख्य अतिथि समाजसेवी विजय अग्रवाल ने कहा कि शतरंज हमे दिमागी कौशल के साथ साथ अनुशासन, धैर्य, संयम और रणनीति बनाना भी सिखाता है। शतरंज से हम जीवन के हर क्षेत्र में सफलता प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने छत्तीसगढ़ की प्रसिद्ध अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ी विक्रम अवॉर्डी सुश्री किरण अग्रवाल का उदाहरण भी दिया। कार्यक्रम के अध्यक्ष समाजसेवी कैलाश जैन बरमेचा ने आयोजन की सराहना करते हुए लोगो से ऐसे आयोजनों में सहभागिता करने की अपील करते हुए रायसोनी स्पोर्ट्स एवं कल्चर फाउंडेशन तथा कल्पना प्रकाश वेलफेयर फाउंडेशन से समाज को सीख लेने की प्रेरणा दी। विशेष अतिथि समाजसेविका श्रीमती पूनम राजा ने भी आयोजन की सराहना करते हुए संभाग से आए खिलाड़ियों एवं उनके अभिभावकों को बधाई दी।

स्पर्धा में तृतीय स्थान पर राजनांदगांव के स्पर्श खंडेलवाल/ 5 हजार एवं ट्रॉफी/ चतुर्थ भिलाई के अभिनव सिंह राजपूत/ 3 हजार एवं ट्रॉफी/ पांचवा कबीरधाम के मुकेश ठाकुर / 2 हजार एवं ट्रॉफी/ छठवां दिवस कुमार विश्वास दुर्ग, सातवां शुभम सिंह, दुर्ग, आठवां ईशान सैनी, दुर्ग नवमा अंशुल उप्पल दुर्ग दसवां दीपक साहू दुर्ग ने प्राप्त किया। इन्हें 15 सौ रुपए एवं मोमेंटो प्रदान किया गया। ग्यारहवां अरुणभ दास दुर्ग बारहवां अंगारापु बाबू दुर्ग तेरहवां राशि वरूडकर राजनांदगांव चौदहवां बटुकों पूजन दुर्ग पंद्रहवां स्थान पर आयुष वैष्णव कबीरधाम रहे। इन्हें 11 सौ रुपए नगद एवं मोमेंटो प्रदान किया गया। स्पेशल प्राइज में बेस्ट महिला खिलाड़ी में प्रथम इशिका मड़के दुर्ग/15 सौ एवं मोमेंटो/ द्वितीय कासवी जैन दुर्ग /1 हजार एवं मोमेंटो/ बेस्ट दुर्ग खिलाड़ी में प्रथम गुणवंत साहू/ 15 सौ एवं मोमेंटो/ द्वितीय योगेश सोनी/1 हजार एवं मोमेंटो/ बेस्ट वरिष्ठ खिलाड़ी में प्रथम रतिंद्र ठाकुर, दुर्ग/15 सौ एवं मोमेंटो/ द्वितीय वीरेंद्र जैन दुर्ग /1 हजार एवं मोमेंटो/ बेस्ट दिव्यांग खिलाड़ी में प्रथम श्री हरि मानपुर मोहला /15 सौ रुपए एवं मोमेंटो/ द्वितीय स्थान पर पराक्रम यादव दुर्ग/1 हजार एवं मोमेंटो/ रहे।

स्पर्धा के मुख्य निर्णायक इंटरनेशनल आर्बिटर रॉकी देवांगन एवं तकनीकी सहायक फीडे आर्बिटर अनिल शर्मा एवं मुदिता पांडे, आशुतोष चावरे, सिनियर नेशनल आर्बिटर दिव्यांशु उपाध्याय, विक्रम सिंह, चंदन विश्वकर्मा थे। आयोजन को सफल बनाने में दिनेश जैन, गुलाब चौहान, छाया नोर्गे, मोनिका शर्मा, अंजली टोप्पो, अजय साहू, त्रिलोक सोनी, चित्रांश अग्रवाल, सुरेन्द्र बल्लेवार, श्याम सोनी का विशेष योगदान रहा। कार्यक्रम का संचालन सचिव तुलसी सोनी एवं आभार प्रदर्शन संघ के अध्यक्ष ईश्वर सिंह राजपूत ने किया।

भिलाई के सिद्धांत और गिडियन ने फतह किया 13,800 फीट ऊंचा सारपास, बढ़ाया राज्य का मान

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

हिमालय की बर्फीली वादियों और चुनौतीपूर्ण पहाड़ी रास्तों के बीच भिलाई के दो ट्रैकर्स के. एस. सिद्धांत और गिडियन सपाटे ने सार पास 2026 ट्रैक अभियान सफलतापूर्वक पूरा कर शहर का नाम रोशन किया है। यूथ हॉस्टल्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (वाईएचएआई) द्वारा आयोजित यह राष्ट्रीय स्तर का ट्रैकिंग कार्यक्रम 13 मई से 19 मई तक हिमाचल प्रदेश की खूबसूरत पावर्ती घाटी में आयोजित किया गया।

इस रोमांचक अभियान में देशभर के विभिन्न राज्यों और शहरों से लगभग 47 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। ट्रैक की शुरुआत सियोबाग स्थित बेस कैंप से हुई, जहां से दल ने ग्रेहान गांव, मिन-थाच, नगरू कैंपसाइट और बिस्केरी कैंपसाइट जैसे दुर्गम पड़ावों को पार करते हुए करीब 13,800 फीट की ऊंचाई पर स्थित सार पास तक का सफर तय किया। अभियान के दौरान के. एस. सिद्धांत ने डिप्टी ट्रेक लीडर की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी निभाई। कठिन पहाड़ी मार्गों, बर्फीले ट्रैक और बदलते मौसम के बीच उन्होंने प्रतिभागियों का मार्गदर्शन करने के साथ टीम समन्वय में भी अहम भूमिका निभाई। वहीं 59 वर्षीय बीएसपी कर्मचारी गिडियन सपाटे ने अपने उत्साह, साहस और मजबूत इच्छाशक्ति से सभी को प्रभावित किया। उनकी ऊर्जा और सकारात्मकता युवा प्रतिभागियों के लिए भी प्रेरणा का केंद्र बनी रही।

उद्योग मंत्री लखनलाल देवांगन ने कोरबा में किया विकास कार्यो का भूमिपूजन व लोकार्पण

शांतिनगर बस्ती में जलभराव की समस्या से मिलेगी मुक्ति, 05 करोड़ रूपए से बनेगा नाला

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

प्रदेश के वाणिज्य, उद्योग, सार्वजनिक उपक्रम, आबकारी व श्रम मंत्री लखनलाल देवांगन ने 5 करोड़ रूपए की लागत बनने वाले निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया। नगर पालिक निगम कोरबा के बालको जोन की शांतिनगर बस्ती अब बरसात के समय जलभराव की समस्या से मुक्त होगी। इसके साथ ही बालको जोन के विभिन्न वार्डो के 6 करोड़ 80 लाख रूपए के विकास कार्यो की सौगात प्रदान करते हुये इन विकास कार्यो का भूमिपूजन व लोकार्पण किया। इस अवसर पर महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत उपस्थित थी।

नगर पालिक निगम कोरबा द्वारा बालको कुलिंग टावर से विभिन्न वार्डो से होते हुये ढेगुरनाला तक बालको सी.एस.आर. मद व डी.एम.एफ. मद से 05 करोड़ रूपये की लागत से नाला का निर्माण कार्य कराया जायेगा। इसी प्रकार वार्ड क्र. 39 बालको में रामलीला मैदान के पास सतनाम भवन का आंतरिक एवं बाह्य विस्तार कार्य अनुसूचित जाति विकास प्राधिकरण मद से 15 लाख रूपये की लागत से सम्पन्न होगा, वहीं वार्ड क्र. 47 अंतर्गत शासकीय माध्यमिक शाला रूमगरा में जिला खनिज न्यास मद से 17 लाख रूपये की लागत से नवीन भवन का निर्माण होगा। इसी प्रकार वार्ड क्र. 42 अंतर्गत स्थित शासकीय प्राथमिक शाला दैहानपारा में जिला खनिज न्यास मद से 15 लाख रूपये की लागत से 02 नग अतिरिक्त कक्ष का निर्माण, बालको जोन अंतर्गत 11 शासकीय स्कूलों में जिला खनिज न्यास मद से 43 लाख रूपये की लागत से किचन शेड का निर्माण कार्य तथा बालको जोन अंतर्गत 14 शासकीय स्कूलों में जिला खनिज न्यास मद से 70 लाख रूपये की लागत से बालक-बालिका शौचालय का निर्माण कार्य कराया जायेगा, जिसका भूमिपूजन आज उद्योग मंत्री श्री देवांगन व महापौर श्रीमती राजपूत के हाथों किया गया।

नगर पालिक निगम कोरबा द्वारा विधायक मद से वार्ड क्र. 38 में 13 लाख रूपये की लागत से सामुदायिक भवन का निर्माण कराया गया है, इसी प्रकार वार्ड क्र. 39 राम मंदिर के पास अधोसंरचना मद से 07 लाख रूपये की लागत से सामुदायिक भवन का निर्माण भी पूरा किया गया है, आज उक्त दोनों नवनिर्मित सामुदायिक भवनों का लोकार्पण उद्योग मंत्री श्री देवांगन एवं महापौर श्रीमती राजपूत के हाथों किया गया।

इस अवसर पर उद्योग मंत्री लखनलाल देवांगन ने अपने उद्बोधन में कहा कि बरसात के समय शांतिनगर बस्ती में जलभराव हो जाता था, पिछले वर्ष भी जलभराव हुआ तब मैं रायपुर में था, महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत ने मुझे इस समस्या से मोबाईल पर अवगत कराया, मैं तभी तय कर लिया था कि शीघ्र ही इस समस्या से यहाँ के नागरिकों को मुक्ति दिलाई जायेगी और आज मुझे खुशी हो रही है कि 05 करोड़ रूपये के लागत से नाला का निर्माण कार्य प्रारंभ होने जा रहा है, उन्होने बताया कि इस नाले के निर्माण में 02 करोड़ 50 लाख रूपये बालको अपने सीएसआर मद से देगा, वहीं 02 करोड़ 50 लाख रूपये जिला खनिज न्यास मद से दिया जायेगा। मंत्री श्री देवांगन ने आगे बताया कि उन्होने बालको से कहा है कि बजरंग चौक से रिसदी चौक तक सड़क का निर्माण भी बालको करेगा, जिससे यह पूरा मार्ग एक व्यवस्थित मार्ग हो जायेगा। उद्योग मंत्री श्री देवांगन ने कहा कि कोरबा निगम क्षेत्र में विभिन्न मदों के अंतर्गत विगत दो वर्ष के दौरान 1000 करोड़ रूपये के विकास कार्य स्वीकृत कराये जा चुके हैं।

खास खबर

ईद-उल-अजहा पर खुले में कुर्बानी न करें, सभी की आस्था का रखें ध्यान : डॉ. सलीम राज

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

आगामी 28 मई गुरुवार को पूरे देश में ईद-उल-अजहा का त्योहार मनाया जाएगा। इस मौके पर छत्तीसगढ़ राज्य वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. सलीम राज ने मुस्लिम समाज से अपील की है कि खुले क्षेत्रों या सार्वजनिक स्थानों पर कुर्बानी न करें और सभी समाज की आस्था का सम्मान करें।

28 से 30 मई तक होगी कुर्बानी

डॉ. सलीम राज ने बताया कि छत्तीसगढ़ में ईद-उल-अजहा की नमाज सुबह 6 बजे से 11 बजे तक विभिन्न मस्जिदों और ईदगाहों में निर्धारित समय पर अदा की जाएगी। यह त्योहार हजरत इब्राहीम और हजरत इस्माईल अलैहिस्सलाम की याद में मनाया जाता है। 28 मई के सूर्योदय से 30 मई के सूर्यास्त तक साहिबे निसाब मुस्लिम व्यक्ति द्वारा कुर्बानी की जाती है।

पैगंबर ने संविधान और भाईचारे का संदेश दिया

डॉ. राज ने कहा कि पैगंबर साहब ने भी संदेश दिया है कि हम जिस देश में रहते हैं वहां के संविधान का आदर करें और पड़ोस में रहने वाले भाइयों की आस्था का सम्मान करें, ताकि समाज में आपसी भाईचारा और अमन कायम रहे। इस्लाम धर्म, कुरआन और हदीस भी सभी धर्मो के प्रति आस्था, मोहब्बत और सांप्रदायिक सौहार्द का संदेश देते हैं।

इन बातों का रखें ध्यानः वक्फ बोर्ड की अपील

डॉ. सलीम राज ने मुस्लिम भाइयों से अपील करते हुए कहा कि खुले में कुर्बानी न करेंः ईद-उल-अजहा पर खुले में या सार्वजनिक स्थानों पर कुर्बानी बिल्कुल न करें। प्रतिबंधित पशुओं से बचेंः प्रतिबंधित पशुओं की कुर्बानी न की जाए। सोशल मीडियाः कुर्बानी की फोटो या वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल न करें। इससे अन्य समाज के लोगों को तकलीफ होती है और माहौल खराब होता है। साफ-सफाईः कुर्बानी का खून नालियों में न बहाएं। अपशिष्ट पदार्थ व खून गड्ढा खोदकर दफनाएं। कुर्बानी के बाद साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखें। नमाजः रोड पर नमाज अदा न करें। जमात ज्यादा होने पर पूर्व वर्षों की भांति शिफ्टों में नमाज की व्यवस्था करें। डॉ. राज ने कहा कि कई बार कुछ लोगों द्वारा खुले में कुर्बानी करने या वीडियो वायरल करने से बहुसंख्यक भाइयों को तकलीफ होती है और समाज का वातावरण दूषित होता है। उन्होंने सभी से सांप्रदायिक सौहार्द और आपसी भाईचारा कायम रखते हुए त्योहार मनाने की अपील की।

ठोस कचरा प्रबंधन नियम 2026 लागू, चार श्रेणियों में कचरा पृथक्करण अनिवार्य

रायपुर। स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से बलरामपुर जिले में ठोस कचरा प्रबंधन नियम 2026 पर जागरूकता एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। संयुक्त जिला कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित कार्यक्रम में कलेक्टर श्रीमती चंदन संजय त्रिपाठी ने अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों को नए नियमों की जानकारी दी। प्रशिक्षण में बताया गया कि पर्यावरण, वन एवं जलवायु मंत्रालय द्वारा लागू ठोस कचरा प्रबंधन नियम 2026 एक अप्रैल 2026 से पूरे देश में प्रभावी हो चुका है। नए नियमों के तहत अब प्रत्येक घर, संस्था और प्रतिष्ठान में कचरे का चार श्रेणियों—गीला, सूखा, सेनेटरी वेस्ट तथा स्पेशल केयर वेस्ट—में पृथक्करण अनिवार्य होगा।

अधिकारियों ने बताया कि गीले कचरे से जैविक खाद एवं बायोगैस तैयार की जा सकेगी, जबकि सूखे कचरे का पुनर्चक्रण किया जाएगा। वहीं बैटरी, एक्सपायरी दवाइयां, सिरिंज जैसे खतरनाक अपशिष्टों को सार्वजनिक स्थानों पर फेंकना प्रतिबंधित रहेगा। नियमों के तहत बड़े स्तर पर कचरा उत्पन्न करने वाले संस्थानों को बल्क वेस्ट जनरेटर की श्रेणी में रखा गया है, जिनके लिए वैज्ञानिक अपशिष्ट प्रबंधन अनिवार्य किया गया है। साथ ही नगरीय निकायों एवं ग्राम पंचायतों द्वारा उपयोगकर्ता शुल्क भी निर्धारित किया जाएगा।

नियमों के उल्लंघन पर जुर्माना, आर्थिक दंड एवं कारावास तक का प्रावधान किया गया है। सार्वजनिक स्थानों पर कचरा फेंकने, खुले में कचरा जलाने तथा कचरे का पृथक्करण नहीं करने पर कार्रवाई की जाएगी। कलेक्टर श्रीमती चंदन त्रिपाठी ने कहा कि स्वच्छ एवं स्वस्थ वातावरण निर्माण के लिए जनभागीदारी बेहद आवश्यक है।

सामाजिक एकता और सांस्कृतिक चेतना का सशक्त केंद्र बनेगा नया सामाजिक भवन- राजेश अग्रवाल

कंवर समाज विकास समिति के नवनिर्मित भवन का हुंआ भव्य लोकार्पण

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

छत्तीसगढ़ के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने आज सरगुजा जिले के विकासखंड उदयपुर के अंतर्गत ग्राम देवगढ़ में कंवर समाज विकास समिति, सरगुजा के तत्वावधान में नवनिर्मित सामाजिक भवन का लोकार्पण किया। उन्होंनें कहा कि यह भवन सामाजिक एकता और सांस्कृतिक चेतना का सशक्त केंद्र बनेगा। इस गरिमामयी समारोह में बड़ी संख्या में समाज के वरिष्ठजन, स्थानीय जनप्रतिनिधि और ग्रामीण उपस्थित रहे।

सामाजिक समरसता और सांस्कृतिक जागरूकता का जीवंत केंद्र

संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि समाज की एकता, समृद्ध संस्कृति और पारंपरिक मूल्यों को अक्षुण्ण रखने में ऐसे सामाजिक भवनों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। यह नवनिर्मित भवन केवल ईंट-पत्थरों से बनी एक भौतिक संरचना नहीं है, बल्कि यह आने वाले समय में सामाजिक समरसता, आपसी सहयोग और सांस्कृतिक चेतना का एक जीवंत केंद्र बनेगा। उन्होंने समाजहित और सांस्कृतिक संरक्षण के क्षेत्र में कंवर समाज द्वारा किए जा रहे कार्यो की भूरि-भूरि सराहना की। उन्होंने आगे कहा कि छत्तीसगढ़ की वास्तविक पहचान यहाँ की अनूठी जनजातीय संस्कृति, उच्च जीवन मूल्य और आपसी सामाजिक सौहार्द में निहित है। राज्य सरकार सर्वसमाज के कल्याण और उनकी सांस्कृतिक विरासतों को सहेजने के साथ-साथ सामाजिक संगठनों को सशक्त बनाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

सामूहिक विकास और संवाद को मिलेगा नया मंच

उन्होंने रेखांकित किया कि सामाजिक भवन समाज के लोगों को एक ऐसा साझा मंच प्रदान करते हैं, जहाँ सामाजिक, शैक्षणिक, सांस्कृतिक और सामुदायिक गतिविधियों का निष्पादन सुगमता से किया जा सकता है। सामूहिक आयोजनों से समाज में आपसी संवाद, सांगठनिक ढांचा और सहयोग की भावना और अधिक सुदृढ़ होती है। समिति के पदाधिकारियों एवं सदस्यों को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्वल भविष्य की कामना करते हुए विश्वास व्यक्त किया कि यह भवन युवाओं, महिलाओं और बुजुर्गो के कल्याण और विकास के लिए एक बहुउपयोगी केंद्र साबित होगा। उन्होंने कहा कि अपनी गौरवशाली संस्कृति और गौरव को नई पीढ़ी तक हस्तांतरित करना हम सभी का साझा दायित्व है।

मुख्यमंत्री के नेतृत्व में मुख्यधारा से जुड़ रहे सभी वर्ग

संस्कृति मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार प्रदेश की सांस्कृतिक विविधता को सहेजने, सामाजिक समरसता को बढ़ावा देने और ग्रामीण विकास को नई दिशा देने के लिए निरंतर क्रियाशील है। प्रदेश के हर समाज और समुदाय को आवश्यक बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराकर उन्हें विकास की मुख्यधारा से जोड़ने का भगीरथ प्रयास किया जा रहा है।

लोकार्पण समारोह के दौरान कंवर समाज के प्रतिनिधियों ने पारंपरिक रीति-रिवाज से मंत्री अग्रवाल का आत्मीय स्वागत किया। संपूर्ण आयोजन के दौरान समाजजनों में भारी उत्साह, सांस्कृतिक आत्मीयता और सामुदायिक सहभागिता का एक अद्भुत वातावरण देखने को मिला।

15 जून से पहले मिशन मोड में पूरा होगा फार्मर रजिस्ट्री अभियान फार्मर रजिस्ट्री अभियान

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

छत्तीसगढ़ में किसानों को योजनाओं का लाभ पारदर्शी और सुगम तरीके से उपलब्ध कराने के उद्देश्य से एग्री स्टैक परियोजना के अंतर्गत फार्मर रजिस्ट्री अभियान को तेज गति से आगे बढ़ाया जा रहा है। इसी क्रम में सूरजपुर कलेक्टर श्रीमती रेना जमील की अध्यक्षता में आयोजित महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक में 15 जून से पहले फार्मर रजिस्ट्री अभियान को मिशन मोड में पूर्ण करने के निर्देश दिए गए।

खरीफ वर्ष 2026 की तैयारियों, खाद-बीज वितरण व्यवस्था, पेट्रोल-डीजल आपूर्ति, एग्री स्टैक परियोजना तथा विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई। कलेक्टर ने स्पष्ट कहा कि जिले के सभी पात्र किसानों का एग्री स्टैक पंजीयन सुनिश्चित किया जाए, ताकि कोई भी किसान शासन की योजनाओं के लाभ से वंचित न रहे।

कलेक्टर ने कृषकों से अपील करते हुए कहा कि एग्री स्टैक भारत सरकार की महत्वाकांक्षी डिजिटल पहल है, जिसके अंतर्गत प्रत्येक किसान को एक यूनिक फार्मर आईडी प्रदान की जाएगी। यह आईडी किसानों की डिजिटल पहचान के रूप में कार्य करेगी और इसके माध्यम से पीएम किसान सम्मान निधि, फसल बीमा, कृषि ऋण, न्यूनतम समर्थन मूल्य पर उपज विक्रय तथा कृषि उपकरणों पर अनुदान जैसी योजनाओं का लाभ सरलता एवं पारदशिर्ता से प्राप्त होगा।उन्होंने किसानों से निकटतम कॉमन सर्विस सेंटर, ग्राम पंचायत, कृषि विभाग अथवा पटवारी कार्यालय में आधार कार्ड, आधार से लिंक मोबाइल नंबर और भू-अभिलेख दस्तावेजों के साथ निःशुल्क पंजीयन कराने की अपील की। साथ ही अधिकारियों को पंचायतवार लंबित प्रकरणों की सूची तैयार कर प्रतिदिन समीक्षा करने और सभी लंबित पंजीयन शीघ्र पूर्ण कराने के निर्देश दिए। बैठक में खरीफ सीजन के लिए खाद एवं बीज वितरण व्यवस्था को लेकर भी गंभीर चर्चा हुई। कलेक्टर ने गुणवत्तायुक्त उर्वरकों की समय पर उपलब्धता, वितरण प्रक्रिया में पारदर्शिता तथा कालाबाजारी और जमाखोरी पर सख्त नियंत्रण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

हौसले की उड़ान : 75 प्रतिशत श्रवण बाधित पूजा ने नेट परीक्षा में रचा इतिहास

गरीबी और संघर्षो को हराकर चमकाया जिले का नाम, समाज कल्याण विभाग ने बढ़ाया मदद का हाथ

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

छत्तीसगढ़ शासन की संवेदनशील नीतियां और त्वरित प्रशासनिक पहल अब जरूरतमंदों के जीवन में नई उम्मीद बनकर सामने आ रही हैं। इसका एक अनुपम और प्रेरणादायी उदाहरण जिला गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही की 75 प्रतिशत श्रवण बाधित दिव्यांग युवती कुमारी पूजा साहू ने पेश किया है। पूजा ने अत्यंत कठिन आर्थिक परिस्थितियों और व्यक्तिगत संघर्षो को बौना साबित करते हुए समाजशास्त्र विषय में राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा उत्तीर्ण कर न केवल अपने परिवार, बल्कि पूरे क्षेत्र का मान बढ़ाया है।

पेण्ड्रारोड के वार्ड क्रमांक 1 (सिंचाई कॉलोनी, सारबहर) स्थित स्मृति वाटिका के पास एक छोटी सी झुग्गी-झोपड़ी में रहने वाली पूजा साहू ने यह सिद्ध कर दिया है कि यदि दृढ़ संकल्प और आत्मविश्वास अडिग हो, तो शारीरिक और आर्थिक अक्षमताएं भी रास्ता नहीं रोक सकतीं। सीमित संसाधनों के बावजूद उन्होंने शिक्षा के प्रति अपनी ललक को कम नहीं होने दिया और विपरीत हालातों में भी निरंतर अध्ययन जारी रखा।

समाज कल्याण विभाग की त्वरित संवेदनशीलता

पूजा साहू अपने आगे पीएच.डी. शोध कार्य हेतु आर्थिक सहायता की गुहार लेकर जिला समाज कल्याण विभाग के कार्यालय पहुंची थीं। उन्होंने विभागीय अधिकारियों को बताया कि उन्होंने समाजशास्त्र में स्नातकोत्तर करने के बाद राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा (नेट) परीक्षा सफलतापूर्वक उत्तीर्ण कर ली है। उनकी असाधारण योग्यता को देखते हुए विभाग ने बिना किसी विलंब के तत्काल कार्यवाही शुरू की।

घर की स्थिति देख तत्काल रोजगार की व्यवस्था

समाज कल्याण विभाग के प्रभारी सहायक संचालक सुरेश भारती ने वस्तुस्थिति का आकलन करने के लिए स्वयं पूजा साहू के निवास का जमीनी निरीक्षण किया। निरीक्षण में पता चला कि लगभग 9 वर्ष पूर्व पूजा के पिता का साया उनके सिर से उठ चुका है। उनकी वृद्ध माता जी स्थानीय स्तर पर मजदूरी करके किसी तरह परिवार का भरण-पोषण कर रही हैं। पूजा के इस कड़े संघर्ष और असाधारण प्रतिभा को देखते हुए विभाग ने एक बेहद सकारात्मक पहल की। उन्हें तत्काल एक अशासकीय समाजसेवी संस्था ष्प्रगति सेवा संस्था में सामाजिक कार्यकर्ता के पद पर नियुक्ति दिलाई गई है। इस कार्य के लिए उन्हें 10 हाजर रूपए प्रति माह का मानदेय प्राप्त होगा, जिससे उनके परिवार को तुरंत आर्थिक संबल मिलेगा। इसके साथ ही, उनके पीएच.डी. शोध कार्य के लिए विशेष सहायता राशि स्वीकृत कराने के संबंध में उच्च कार्यालय को आवश्यक प्रस्ताव और पत्राचार की प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई है।

समाज और युवाओं के लिए बनीं रोल मॉडल

राज्य सरकार द्वारा दिव्यांगजनों, आर्थिक रूप से कमजोर वर्गो और मेधावी युवाओं के लिए संचालित की जा रही नीतियां आज धरातल पर रंग ला रही हैं। पूजा साहू की यह ऐतिहासिक सफलता इस बात का जीवंत प्रमाण है कि यदि शासन का सहयोग सही समय पर सही हकदार तक पहुंचे, तो तकदीर बदलते देर नहीं लगती। आज पूजा की यह कहानी अंचल के हजारों युवाओं के लिए एक नई प्रेरणा और सकारात्मक आत्मविश्वास का संचार कर रही है।

कार्यों की समीक्षा : मिलकर काम करें, शहर को स्वच्छ, सुंदर और व्यवस्थित बनाएं - शंगीता आर

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग की सचिव श्रीमती शंगीता आर. ने बिलासपुर पहुंचकर बिलासपुर नगर निगम के कार्यो की समीक्षा की। उन्होंने नगर निगम द्वारा किए जा रहे विभिन्न कार्यो का निरीक्षण भी किया। उन्होंने मैदानी स्तर पर योजनाओं का क्रियान्वयन भी देखा।

नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग की सचिव श्रीमती शंगीता आर. ने तारबाहर स्थित कमांड एंड कंट्रोल सेंटर में बिलासपुर नगर निगम के कार्यो की समीक्षा करते हुए कहा कि राजस्व किसी भी निकाय की आधारशिला है। इसे प्राथमिकता में रखें और शत शत-प्रतिशत वसूली करें। उन्होंने पिछले वित्तीय वर्ष 2025-26 की बकाया राशि 15 करोड़ रुपए की वसूली के लिए उन्होंने दिसम्बर 2026 तक डेडलाइन दिया। उन्होंने कहा कि नियमित और प्लेसमेंट समेत सभी कमर्चारियों का वेतन किसी भी सूरत में माह के प्रथम सप्ताह में हो जाना चाहिए।

विभागीय सचिव श्रीमती शंगीता आर. ने बैठक में कहा कि टेंडर प्रक्रिया में अनावश्यक देरी न हों और टेंडर जारी करने के बाद मियाद खत्म होते ही ठेका पाने वाले ठेकेदार से अनुबंध कर शीघ्र कार्य प्रारंभ कराएं, ताकि प्रोजेक्ट में देरी न हो। उन्होंने सचिव टेंडर में लगने वाले अत्यधिक समय समेत अन्य पहलुओं का विश्लेषण कर प्रक्रिया को तेज गति से करने के लिए योजना तैयार करने को कहा। उन्होंने निर्माणाधीन तथा अधूरे कार्यो को समय-सीमा के भीतर गुणवत्ता के साथ पूरा करने के निर्देश अधिकारियों को दिए ताकि उसका लाभ नागरिकों को मिल सकें।

सचिव श्रीमती शंगीता आर. ने पीएम ई-बस सेवा के तहत मिलने वाले बसों के शीघ्र पहुंचने की उम्मीद जताई। उन्होंने कोनी में निर्माणाधीन चार्जिंग स्टेशन समेत डिपो को एक महीने के भीतर पूर्ण करने के निर्देश दिए। मधुबन में एजुकेशन हब के प्रथम चरण के तहत बन रहे नालंदा परिसर और एकेडमिक ब्लॉक को तेज गति से समय-सीमा के भीतर पूरा करने के निर्देश देते हुए कहा कि इस प्रोजेक्ट से कई जिन्दगियां संवरेंगी।

श्रीमती शंगीता आर. ने पीएम आवास योजना के बीएलएसी घटक के तहत अप्रारंभ आवास निर्माण को लेकर अधिकारियों से कहा कि वे हितग्राहियों से मिलकर उन्हें तत्काल कार्य शुरू कराने के लिए प्रेरित करें। निगम द्वारा नियुक्त वार्ड नोडल ऑफिसर से सचिव ने कहा कि अपने प्रभार के वार्डो को आदर्श वार्ड बनाने पर कार्य करें जहां सड़क, पानी, बिजली और सफाई उत्कृष्ट रहें। इस तरह के वार्डो और उनके नोडल ऑफिसर्स को सम्मानित किया जाएगा।

नगरीय प्रशासन विभाग के सचिव ने अच्छी स्वच्छता के लिए सभी घरों से रोज कचरा एकत्रित करने, सड़कों, सार्वजनिक स्थलों और सामुदायिक शौचालयों की सफाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने पीएम स्वनिधि, पीएम आवास, पेंशन समेत सभी जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ आम नागरिकों को निर्बाध रूप से मिलें, इसे भी सुनिश्चित करने को कहा।

बिलासपुर के कलेक्टर संजय अग्रवाल, निगम कमिश्नर प्रकाश कुमार सर्वे, सूडा के सीईओ शशांक पाण्डेय, नगरीय प्रशासन विभाग के अपर संचालक पुलक भट्टाचार्य और बिलासपुर नगर निगम के अपर आयुक्त खजांची कुम्हार समेत सभी अधिकारी, इंजीनियर और जिले के सभी नगरीय निकायों के सीएमओ भी बैठक में उपस्थित थे।

कछार प्लांट, डब्ल्यूटीपी और पीएम आवास पहुंची सचिव

नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग की सचिव श्रीमती शंगीता आर. ने समीक्षा बैठक के बाद शहर में विभिन्न कार्यो का निरीक्षण किया। उन्होंने स्पोर्ट्स कांप्लेक्स पहुंचकर वहां संचालित स्पोर्ट्स के विभिन्न एक्टिविटी का जायजा लिया। उन्होंने कोनी में निर्माणाधीन सिटी बस चार्जिंग स्टेशन का निरीक्षण कर इसे एक माह के भीतर गुणवत्ता के साथ पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने बस डिपो के बाजू में स्थित आकांक्षीय शौचालय को भी देखा। उन्होंने शौचालय में खामियों की ओर अधिकारियों का ध्यान आकृष्ट कराते हुए जल्द सुधार करने के निर्देश दिए।

विभागीय सचिव ने कछार स्थित सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट प्लांट और अमृत मिशन के तहत बिरकोना स्थित वाटर ट्रीटमेंट प्लांट का भी अवलोकन किया। उन्होंने खमतराई में पीएम आवास का भी निरीक्षण किया। श्रीमती शंगीता आर. ने मोपका गौठान स्थित एसआरएलएम सेंटर पहुंचकर वहां मौजूद स्वच्छता दीदियों से संवाद किया। उन्होंने स्वच्छता दीदियों से कहा कि अस्वच्छता के खिलाफ इस जंग में आपकी भूमिका महत्वपूर्ण है। गीला-सूखा कचरा अलग करें, शत-प्रतिशत घरों से कचरा एकत्रित करें, लोगों को स्वच्छता के प्रति प्रेरित करें तथा सामूहिक एकता बनाएं रखें और अपने समूह का विकास करें।

उन्होंने दीदियों से कहा कि मातृ शक्ति में अद्भुत क्षमता और योग्यता होती है। इसलिए आप सभी से अपील है कि स्वच्छता में क्रांति लाए और अपने शहर को स्वच्छ और सुंदर बनाएं। समूह की महिलाओं ने इस दौरान उन्हें खुद से तैयार किए गए उत्पाद भेंट किए। विभागीय सचिव ने निर्माण शुरू नहीं करने या अधूरा छोड़ने वाले पीएम आवास के बीएलसी हितग्राहियों से संवाद कर काम जल्द शुरू करने की अपील भी की।

संपादकीय

दूसरे से उम्मीद यानी खुद कर नहीं पा रहे

हर क्षेत्र में कोई आदमी हो,संस्था हो जब वह कोई काम खुद नहीं कर पाता है तो वह उम्मीद करता है कि कोई दूसरा उस काम को करके दिखा सकता है ।असफल आदमी व संस्थाएं ऐसे आदमी व संस्थाओं की तलाश में रहती है, इंतजार मे रहती है कि वह मिले या सामने आए तो वह उसका खुले दिल से स्वागत करते हैं ।उनको पता रहता है कि जनता उन पर भरोसा नहीं करती है क्योंकि जनता ने उनको आजमा के देख लिया है कि यह सत्ता में आने पर क्या करते रहे हैं ।जनता जानती है कि पुराने लोगों को सत्ता देने के मतलब है कि सत्ता का दुरुपयोग। इसलिए जनता हो या युवा हो कोई नया राजनीतिक दल या नेता सामने आता है और आंदोलन शुरू करता है तो वह उसके साथ इस उम्मीद में जुड़ते हैं कि यह नया है यह हमारे लिए और देश के लिए कुछ नया कर सकता है।

पुराने लोगों को हटाने के लिए देश में बड़े आंदोलन हुए हैं ।बड़े आंदोलन के कारण परिवर्तन भी हुआ है क्योंकि कोई आंदोलन बड़ा तब ही होता है जब उससे देश की जनता जुड़ती है। बड़े आंदोलन तब ही होता है जब कोई बड़ा नेता सामने आता है,कोई नेता बड़ा तब ही बनता है जब जनता उस पर भरोसा करती है ।जेपी पर जनता ने भरोसा किया। देश में एक पुरानी पार्टी को जनता ने सत्ता से हटाया और नए लोगों को जनता ने मौका दिया। लेकिन अफसोस जनता की अपेक्षा पर नए लोगों की जमात खरी नहीं उतरी ।इसके बाद लंबे समय तक जनता ने कोई परिवर्तन नहीं किया ।परिवर्तन के बाद जनता जैसा चाहती है वैसा कुछ होता नहीं है तो जनता निराश होती है ।जनता में सत्तारूढ़ दलों के प्रति नाराजगी पैदा होती है। निराशा पैदा होती है, मोहभंग होता है ।कई दशकों के बाद जनता के गुस्से,निराशा व मोहभंग होने के कारण फिर परिवर्तन होता है।

दूसरी बार गुस्से,निराशा व मोहभंग के कारण अ ?नाआंदोलन शुरु हुआ ।यह भी परिवर्तन के लिए शुरू हुआ ।इस आदोलन के कारण फिर एक बार कांग्रेस को सत्ता से बाहर कर दिया गया ।अब तक दो परिवर्तन हुए है और दोनों बड़े नेताओं के आंदोलन के कारण हुए हैं। आंदोलन तब ही सफल होते हैं जब जनता में परिवर्तन की चाह होती है, सरकार के प्रति व्यापक नाराजगी होती है ।जैसे पिछले चुनाव पं.बंगाल में थी,तमिलनाडु में थी ।दोनों जगह नया विकल्प सामने आया तो जनता ने दस और पंद्रह साल पुरानी सरकारों को सत्ता से हटा दिया ।कोई भी सरकार हो उसके प्रति जनता के एक वर्ग में गुस्सा तो रहता है। सीधी सी बात है सरकार सबके लिए काम करती हुए भी सबको संतुष्ट कर नहीं पाती है ।यह असंतुष्ट वर्ग सत्ता बदलना चाहता है ।यह गुस्सा प्रकट करता रहता है। इससे ऐसा लगता है कि देश के लोगो में नाराजगी है लेकिन यह नाराजगी मोदी सरकार के खिलाफ चुनाव में हार के रूप में प्रकट नहीं हुई है।

लोकसभा का अगला चुनाव २०२९ में होना है। तब तक मोदी सरकार को १५ साल हो जाएंगे। माना जाता है कि किसी सरकार के खिलाफ १५ साल में कई कारणों से नाराजगी पैदा हो ही जाती है ।उसे पुराने राजनीतिक दल नहीं भुना पाते हैं। इसलिए वह कोई ऐस संगठन तलाश करते हैं जो जनता की नाराजगी के भुनाए और सरकार के खिलाफ ऐसा माहौल बनाए कि सरकार की चौथी बार वापसी न हो ।ऐसा संगठन हाल में सामने आया है जिसे सीजेपी कहा जा रहा है। यानी काकरोच जनता पार्टी। सारे विपक्षी दल खुश हैं कि सरकार के खिलाफ मौहाल बनाने वाला एक संगठन तो सामने आया है ।सब उससे बड़ी उम्मीद कर रहे हैं कि यह जनता के गुस्से को बढ़ा सकता है ।वैसा कुछ भारत में भी हो सकता है जैसा बांग्लादेश, श्रीलंका व नेपाल में हुआ ।निराशा की बात यह है कि यह संगठन तो नया है लेकिन इसका नेता ऐसा नहीं है कि जिस पर देश की जनता भरोसा करे और परिवर्तन करे।

बदलता इंफ्रास्ट्रक्चर, बढ़ता भारत : रायपुर-विशाखापट्टनम कॉरिडोर से खुलेगा तरक्की का द्वार

धनंजय राठौर, संयुक्त संचालक, सुनील त्रिपाठी, सहायक संचालक, रायपुर

भारत आज तीव्र गति से आधुनिक बुनियादी ढांचे (इंफ्रास्ट्रक्चर) और सुदृढ़ आर्थिक नेटवर्क के निर्माण की दिशा में अग्रसर है। सड़क, रेल, बंदरगाह और लॉजिस्टिक्स को एकीकृत करते हुए देश को आर्थिक रूप से अधिक सक्षम और आत्मनिर्भर बनाने का प्रयास निरंतर जारी है। विकास के इसी दूरदर्शी दृष्टिकोण का एक उत्कृष्ट उदाहरण रायपुर-विशाखापट्टनम इकोनॉमिक कॉरिडोर है। यह कॉरिडोर केवल दो शहरों को जोड़ने वाली सड़क परियोजना नहीं है, बल्कि यह ष्नए भारत की नई रफ्तारष का प्रतीक है, जो उद्योग, व्यापार, निवेश और रोजगार के नए क्षितिज खोलने जा रहा है।

मध्य-पूर्वी समुद्री तट को जोड़ने वाला महामार्ग

रायपुर-विशाखापट्टनम इकोनॉमिक कॉरिडोर देश के मध्य भाग को पूर्वी समुद्री तट से जोड़ने वाला एक अत्यंत महत्वपूर्ण आर्थिक मार्ग है। यह छत्तीसगढ़, ओडिशा और आंध्र प्रदेश के बीच निर्बाध कनेक्टिविटी (संपर्क) स्थापित करेगा, जिससे सड़क परिवहन, लॉजिस्टिक नेटवर्क और औद्योगिक गतिविधियों को नई गति मिलेगी। इस परियोजना को प्रधानमंत्री की गति शक्ति और आत्मनिर्भर भारत की सोच को धरातल पर उतारने की दिशा में एक बड़ा कदम माना जा रहा है।

किसी भी राज्य या देश के विकास का सबसे मजबूत आधार उसका इंफ्रास्ट्रक्चर होता है। जहां विश्वस्तरीय सड़कें, सुगम परिवहन और अत्याधुनिक लॉजिस्टिक सुविधाएं होती हैं, वहां उद्योगों का तेजी से विस्तार होता है और निवेश आकर्षित होता है। यह कॉरिडोर माल परिवहन को अधिक तीव्र, सुरक्षित और लागत प्रभावी (कम खर्चीला) बनाएगा। इसके परिणामस्वरूप उद्योगों को कच्चा माल आसानी से उपलब्ध होगा और तैयार उत्पाद कम से कम समय में बाजार तक पहुंच सकेंगे।

चूंकि विशाखापट्टनम बंदरगाह देश के प्रमुख समुद्री द्वारों में से एक है, इसलिए इस कॉरिडोर के माध्यम से छत्तीसगढ़ को सीधे पोर्ट कनेक्टिविटी मिलेगी। इसका सबसे बड़ा लाभ यह होगा कि राज्य के उद्योगों की राष्ट्रीय

और अंतरराष्ट्रीय बाजारों तक सीधी पहुंच स्थापित होगी, जिससे निर्यात को बढ़ावा मिलेगा और स्थानीय उत्पादों को वैश्विक पहचान मिलेगी।

रायपुर-विशाखापट्टनम इकोनॉमिक कॉरिडोर छत्तीसगढ़ की अर्थव्यवस्था के लिए गेम-चेंजर साबित होने वाला है। छत्तीसगढ़ खनिज संपदा, ऊर्जा संसाधनों, कृषि और वनोपज से समृद्ध राज्य है। यहाँ लौह अयस्क, कोयला, बॉक्साइट और स्टील उद्योगों की अपार संभावनाएं हैं। पूर्व में बेहतर परिवहन और लॉजिस्टिक नेटवर्क के अभाव के कारण उद्योग अपनी पूरी क्षमता का लाभ नहीं उठा पाते थे, परंतु यह कॉरिडोर इन चुनौतियों को समूल समाप्त कर देगा।

कॉरिडोर के निर्माण से रायपुर, दुर्ग, भिलाई, धमतरी, कांकेर और जगदलपुर जैसे क्षेत्रों में नए औद्योगिक क्लस्टर्स विकसित होंगे। स्टील, सीमेंट, एल्युमिनियम, खाद्य प्रसंस्करण (फूड प्रोसेसिंग) और एमएसएमई (लघु उद्योगों) को एक नई ऊर्जा मिलेगी, जिससे घरेलू और विदेशी निवेशकों का रुझान इस क्षेत्र की ओर तेजी से बढ़ेगा।

इतनी बड़ी बुनियादी ढांचा परियोजना के आने से रोजगार के अवसर भी आनुपातिक रूप से बढ़ते हैं। सड़क निर्माण, वेयरहाउसिंग, लॉजिस्टिक पार्क्स, नई औद्योगिक इकाइयों और परिवहन सेवाओं के माध्यम से हजारों प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार पैदा होंगे। स्थानीय युवाओं को अपने ही क्षेत्र में जीविकोपार्जन के साधन मिलने से पलायन की समस्या पर काफी हद तक रोक लगेगी।

यह कॉरिडोर बस्तर संभाग के लिए विशेष रूप से परिवर्तनकारी सिद्ध होगा। लंबे समय से विकास की मुख्यधारा से कटे क्षेत्रों में बेहतर सड़क और व्यापारिक संपर्क स्थापित होगा। बस्तर के बहुमूल्य वन उत्पाद, अनूठे हस्तशिल्प, कृषि उपज और लघु उद्योगों को बड़े बाजार तक पहुंच मिलेगी, जिससे आदिवासी समुदायों की आय में वृद्धि होगी और क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था सुदृढ़ होगी।

छत्तीसगढ़ देश में धान के कटोरे के रूप में प्रसिद्ध है। इसके अतिरिक्त यहाँ मक्का, दलहन, फल और लघु वनोपज का भी प्रचुर मात्रा में उत्पादन होता है। बेहतर परिवहन व्यवस्था से किसानों और वनोपज संग्राहकों को अपनी उपज मंडियों तक पहुंचाने में सुगमता होगी। परिवहन लागत घटने से सीधे तौर पर किसानों का मुनाफा बढ़ेगा।

चित्रकोट जलप्रपात, तीरथगढ़, कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान, सिरपुर और बस्तर के सांस्कृतिक पर्यटन स्थलों तक पहुंच सुगम होने से राज्य में पर्यटन उद्योग को भारी बढ़ावा मिलेगा। इससे होटल, गाइड, स्थानीय परिवहन और हस्तशिल्प व्यवसायियों की आय दोगुनी होगी।

विशाखापट्टनम पोर्ट तक आसान और तेज पहुंच से छत्तीसगढ़ के उद्योगों की वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता (कॉम्पिटिटिवनेस) बढ़ेगी। संक्षेप में कहें तो, रायपुर-विशाखापट्टनम इकोनॉमिक कॉरिडोर महज एक इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट नहीं, बल्कि छत्तीसगढ़ की प्रगति, समृद्धि और आत्मनिर्भरता का नया महामार्ग है। यह छत्तीसगढ़ को देश के एक प्रमुख औद्योगिक और व्यापारिक हब के रूप में स्थापित करने का सामर्थ्य रखता है।

मजबूत इंफ्रास्ट्रक्चर ही सशक्त अर्थव्यवस्था की नींव होता है, और यही परियोजना आने वाले समय में छत्तीसगढ़ सहित पूरे देश को विकास की नई ऊंचाइयों पर ले जाएगी। नए भारत की नई रफ्तार का यह कॉरिडोर देश के हर कोने को प्रगति की साझा मुख्यधारा से जोड़ने का एक जीवंत माध्यम है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि रायपुर-विशाखापट्टनम इकोनॉमिक कॉरिडोर हमारे छत्तीसगढ़ की आर्थिक रीढ़ बनने जा रहा है। हमारा राज्य खनिज संपदा, कृषि और समृद्ध वनोपज से परिपूर्ण है, लेकिन वैश्विक बाजारों तक सीधी और तीव्र पहुंच न होने से हमारे उद्यमियों और किसानों को अपनी क्षमता का पूरा लाभ नहीं मिल पाता था। यह कॉरिडोर हमारी इस भौगोलिक चुनौती को अवसर में बदल देगा। विशाखापट्टनम बंदरगाह से सीधे जुड़ने के बाद छत्तीसगढ़ का स्टील, हस्तशिल्प और कृषि उत्पाद सीधे अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में अपनी धाक जमाएंगे। हमारी सरकार का संकल्प है कि इस मार्ग के किनारे अत्याधुनिक औद्योगिक क्लस्टर और लॉजिस्टिक पार्क विकसित किए जाएं, ताकि स्थानीय युवाओं को बड़े पैमाने पर रोजगार मिले और बस्तर सहित पूरे राज्य में खुशहाली का एक नया दौर शुरू हो।

कोपरा जलाशयः छत्तीसगढ़ का पहला रामसर स्थल बना पर्यावरण संरक्षण की मिसाल

धनंजय राठौर संयुक्त संचालक, अशोक कुमार चंद्रवंशी, सहायक जनसंपर्क अधिकारी रायपुर

छत्तीसगढ़ का पहला रामसर स्थल कोपरा जलाशय आज पर्यावरण संरक्षण, जैव विविधता संवर्धन और सामुदायिक सहभागिता का प्रेरणादायक मॉडल बनकर उभर रहा है। जैव विविधता के लिए अंतरराष्ट्रीय दिवस 2026 की थीम स्थानीय स्तर पर कार्य, वैश्विक प्रभाव को यह जलाशय वास्तविक रूप में साकार कर रहा है।

सुबह के शांत वातावरण में प्रवासी पक्षियों की मधुर आवाजें और जलाशय के आसपास आजीविका से जुड़े ग्रामीणों की गतिविधियां प्रकृति और मानव जीवन के गहरे संबंध को दर्शाती हैं। कोपरा जलाशय वर्षों से क्षेत्र के लोगों के लिए जल, मत्स्य पालन, कृषि और पर्यावरणीय संतुलन का महत्वपूर्ण आधार बना हुआ है।

मुख्यमंत्री के नेतृत्व में संरक्षण कार्यों को मिली नई गति

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार द्वारा जैव विविधता संरक्षण, आद्रर्भूमि विकास और पर्यावरण संतुलन को मजबूत करने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। जल स्रोतों के संरक्षण, वृक्षारोपण, वन्यजीव

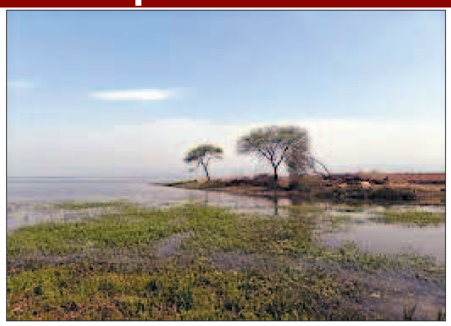

सुरक्षा और सामुदायिक भागीदारी से जुड़े कई अभियान प्रदेश में संचालित किए जा रहे हैं, जिनका सकारात्मक प्रभाव कोपरा जलाशय जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में दिखाई दे रहा है।

स्थानीय समुदाय निभा रहे अहम भूमिका

वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री श्री केदार कश्यप ने कहा है कि छत्तीसगढ़ की जैव विविधता राज्य की अमूल्य धरोहर है और इसके संरक्षण में स्थानीय समुदायों की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि कोपरा जलाशय यह संदेश देता है कि जब शासन और समाज मिलकर प्रकृति संरक्षण का संकल्प लेते हैं, तब पर्यावरण सुरक्षा के साथ-साथ आने वाली पीढ़ियों का भविष्य भी सुरक्षित होता है।

प्रवासी पक्षियों का सुरक्षित आश्रय

कोपरा जलाशय हजारों प्रवासी पक्षियों के लिए सुरक्षित ठिकाना बन चुका है। हर वर्ष विभिन्न देशों और राज्यों से आने वाले पक्षी यहां भोजन और विश्राम प्राप्त करते हैं। इसके साथ ही यह जलाशय जलीय जीवों, मछलियों, वनस्पतियों और अनेक सूक्ष्म जीवों के लिए भी महत्वपूर्ण आवास प्रदान करता है। इसी विशेषता के कारण इसे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर महत्वपूर्ण आद्रर्भूमि के रूप में मान्यता मिली है।

स्वच्छता, वृक्षारोपण और बायो-फेंसिंग पर विशेष जोर

स्थानीय ग्रामीणों, महिला स्व-सहायता समूहों, युवाओं और विद्यालयों की सक्रिय भागीदारी से यहां स्वच्छता अभियान, वृक्षारोपण, पक्षी संरक्षण और बायो-फेंसिंग जैसे कार्य लगातार किए जा रहे हैं। इन प्रयासों से पर्यावरण संरक्षण को मजबूती मिलने के साथ लोगों में प्रकृति के प्रति जागरूकता और जिम्मेदारी की भावना भी विकसित हो रही है। जलवायु परिवर्तन से निपटने में भी महत्वपूर्ण विशेषज्ञों के अनुसार आद्रर्भूमियां प्राकृतिक सुरक्षा कवच की तरह कार्य करती हैं। वे बाढ़ नियंत्रण, भूजल पुनर्भरण, जल शुद्धिकरण और कार्बन अवशोषण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। ऐसे में कोपरा जलाशय का संरक्षण जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटने में भी बेहद उपयोगी साबित हो रहा है।

सतत विकास का बन रहा राष्ट्रीय मॉडल

कोपरा जलाशय आज यह संदेश दे रहा है कि पर्यावरण संरक्षण केवल सरकारी योजनाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि यह समाज की साझा जिम्मेदारी है। स्थानीय स्तर पर किए गए छोटे-छोटे प्रयास ही वैश्विक स्तर पर बड़े बदलाव की नींव बनते हैं। छत्तीसगढ़ का यह पहला रामसर स्थल आने वाले समय में पर्यावरण संरक्षण, सतत विकास और सामुदायिक सहभागिता का राष्ट्रीय मॉडल बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि प्रकृति का संरक्षण हमारी साझा जिम्मेदारी है। इस ऐतिहासिक धरोहर के संरक्षण और इसके वैश्विक महत्व पर मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने राज्य के नागरिकों और संरक्षण टीम की सराहना करते हुए अपना संदेश दिया है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि कोपरा जलाशय को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर रामसर स्थल की मान्यता मिलना पूरे छत्तीसगढ़ के लिए गौरव का विषय है। हमारी सरकार जैव विविधता संरक्षण, आद्रर्भूमि के विकास और पर्यावरण संतुलन को मजबूत करने के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ काम कर रही है। कोपरा जलाशय इस बात का प्रत्यक्ष प्रमाण है कि जब शासन की नीतियां और समाज का संकल्प एक साथ मिलते हैं, तो स्थानीय स्तर पर किए गए छोटे प्रयास भी वैश्विक स्तर पर बड़ा बदलाव ला सकते हैं। हमारी समृद्ध प्रकृति ही हमारी आने वाली पीढ़ियों का सुरक्षित भविष्य है।

राष्ट्रीय राजमार्ग पर संजीवनी बना डायल 1033

कल्पना कीजिए, आप एक खूबसूरत सफर पर हैं। चारों तरफ फैली खुली शानदार सड़क, रफ्तार पकड़ती गाड़ी और गुनगुनाता सुहाना मौसम। सब कुछ एकदम मुकम्मल लगता है। लेकिन अचानक, अगले ही मोड़ पर कोई अनहोनी हो जाए... । कई बार हाइवे पर हुआ एक अनचाहा हादसा पल भर में जिंदगी की खुशियों को मातम में बदल देता है। ऐसे किसी अनजान और सुनसान सफर पर, जहां दूर-दूर तक कोई अस्पताल या मदद नजर नहीं आती, वहां मोबाइल की स्क्रीन पर चमकता एक नंबर उम्मीद की सबसे बड़ी किरण बनकर उभरता है- 1033। आज देश के राष्ट्रीय राजमार्गों पर यह चार अंकों का नंबर महज एक हेल्पलाइन नहीं, बल्कि हजारों-लाखों मुसाफिरों के लिए संजीवनी साबित हो रहा है।

संकट के समय फरिश्ता बनती है एक कॉल

हाइवे पर दुर्घटना होने के बाद जो सबसे पहला घंटा होता है, उसे चिकित्सा विज्ञान में गोल्डन ऑवर कहा जाता है। इस एक घंटे के भीतर अगर घायल को सही इलाज मिल जाए, तो उसकी जान बचने की संभावना 80 फीसदी तक बढ़ जाती है। 1033 इसी गोल्डन ऑवर का रक्षक है। जैसे ही कोई इस नंबर पर डायल करता है, भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) का कॉल सेंटर तुरंत हरकत में आ जाता है। जीपीएस ट्रैकिंग के जरिए हादसे की सटीक लोकेशन ट्रेस की जाती है और चंद मिनटों के भीतर एम्बुलेंस मौके पर पहुंचती है। घायलों को नजदीकी ट्रॉमा सेंटर या अस्पताल पहुंचाया जाता है। साथ ही रास्ता साफ करने के लिए क्रेन और पेट्रोलिंग गाड़ियां तैनात हो जाती हैं।

महज 7 से 10 मिनट में आ गई एम्बुलेंस

एनएचएआई के 1033 सेवा का लाभ लेने वाले श्री नितिन वर्मा बताते हैं, मैं रायपुर से बिलासपुर राष्ट्रीय राजमार्ग में सफ ? कर रहा था। दोपहर 2 बजे के करीब हाइवे पर मेरी गाड़ी का एक्सीडेंट हुआ, मोबाइल में नेटवर्क भी कम था। मुझे समझ नहीं आ रहा था कि मैं कहां हूं? मैंने 1033 लगाया, और महज 7 से 10 मिनट में एम्बुलेंस मेरे सामने थी। वो नंबर नहीं, मेरे लिए संजीवनी से कम नहीं था।

सिर्फ हादसा नहीं, हर मुश्किल का हल है 1033

आमतौर पर लोग सोचते हैं कि यह नंबर सिर्फ एक्सीडेंट के समय काम आता है, लेकिन असल में यह हाइवे पर आपका सबसे भरोसेमंद साथी है। आप कई विपरीत स्थितियों में भी इसकी मदद ले सकते हैं। रात के सन्नाटे में अगर गाड़ी का टायर पंचर हो जाए या इंजन फेल हो जाए, हाइवे पर कोई पेड़ गिर गया हो, मवेशी आ गए हों या कोई भारी मलबा पड़ा हो, यात्रा के दौरान अगर अचानक किसी सहयात्री की तबीयत गंभीर रूप से बिगड़ जाए, टोल प्लाजा या फास्टैग संबंधी कोई समस्या हो या हाइवे पर असुरक्षा महसूस हो रही हो... तो भी 1033 सेवा का लाभ लिया जा सकता है।

अनुभवों की जुबानी, संजीवनी की कहानी

रात के सन्नाटे में भारी ट्रक का टायर फटा, 1033 ने दी राहत

ट्रक ड्राइवर श्री गुरदीप सिंह अपने अनुभव साझा करते हैं, बात रात के करीब 09:45 बजे की है। मैं अपना भारी-भरकम ट्रक लेकर रायपुर से बिलासपुर की ओर बढ़ रहे था। अचानक एक जोरदार आवाज के साथ ट्रक का टायर फट गया। भारी वाहन और ऊपर से रात का सन्नाटा... ऐसी स्थिति में हाइवे के किनारे ट्रक खड़ा करना और मदद ढूंढना किसी बड़ी चुनौती से कम नहीं था। मैने बिना वक्त गंवाए 1033 पर कॉल किया। एनएचएआई की टीम ने तुरंत मेरी लोकेशन ट्रेस की और हाईवे पेट्रोलिंग टीम मौके पर पहुंच गई। टीम ने न सिर्फ क्रेन और तकनीकी मदद का इंतजाम किया, बल्कि जब तक काम पूरा नहीं हुआ, वहां सुरक्षा सुनिश्चित की, ताकि कोई और बड़ा हादसा न हो।

जब जाम हो गया चक्का तो पेट्रोलिंग टीम ने बढ़ाया मदद का हाथ

बिलासपुर-नागपुर रूट के मुसाफिर श्री एस.पी. चौबे ने बताया, हम अपनी कार से सफर कर रहे थे कि अचानक गाड़ी पंचर हो गई। जब स्टेपनी बदलने की बारी आई, तो एक नई मुसीबत खड़ी हो गई। बहुत दिनों से पहिया खुला नहीं था, इसलिए वह बुरी तरह जाम हो चुका था। मेरा ड्राइवर पसीने से तर-बतर होकर उसे खोलने की नाकाम कोशिश कर रहा था, लेकिन वह टस से मस नहीं हो रहा था। हाइवे के किनारे खड़ी हमारी गाड़ी और ड्राइवर की जद्दोजहद को वहां से गुजर रही 1033 की रूट पेट्रोलिंग व्हीकल टीम ने खुद देख लिया। टीम के जवान तुरंत हमारे पास रुके। उन्होंने न सिर्फ अपनी गाड़ी से जरूरी हैवी टूल्स (औजार) निकाले, बल्कि खुद आगे बढ़कर जाम हो चुके चक्के को खोला, टायर बदला और हमारी गाड़ी को रवाना किया। उनके इस अपनेपन और मुस्तैदी ने हमारा दिल जीत लिया।

भारी ट्रेलर का ब्रेक हुआ जाम, मुस्तैदी से टला बड़ा खतरा

हाइवे पर सुरक्षा सिर्फ छोटे वाहनों तक सीमित नहीं है, बल्कि भारी-भरकम कमर्शियल वाहनों के लिए भी 1033 एक सुरक्षा कवच है। ऐसा ही एक मामला बिलासपुर से महासमुंद की ओर जा रहे विशाल ट्रेलर के ड्राइवर श्री शिवम यादव के साथ हुआ। उनके ट्रेलर का ब्रेक अचानक जाम हो गया और गाड़ी में जरूरी एयर प्रेशर नहीं बन पा रहा था। बीच हाइवे पर इतने बड़े वाहन का इस तरह रुकना बेहद खतरनाक था। सूचना मिलते ही 1033 की टीम तुरंत मौके पर पहुंची। भारी ट्रेलर के पीछे से आ रही तेज रफ्तार गाडि ?ों को सचेत करने के लिए टीम ने सेफ्टी कोन और चेवरॉन साइन बोर्ड लगाए, ताकि एक सुरक्षित बफर जोन बन सके। इस हाई-प्रोफेशनल ट्रैफिक मैनेजमेंट की वजह से न तो हाइवे पर जाम लगा और न ही कोई दुर्घटना हुई। ट्रेलर को सुरक्षित तरीके से सुधरवाने की व्यवस्था की गई।

सरल, आसान और सुविधाजनक

1033 की सबसे खास बात इसकी सरलता और गति है। यह सेवा 24 घंटे, सातों दिन काम करती है। इसमें भाषा की कोई दीवार नहीं है। स्थानीय भाषाओं से लेकर हिंदी और अंग्रेजी, हर भाषा में यहां मदद मिलती है। टोल-फ्री होने के कारण मोबाइल में बैलेंस न होने पर भी इस पर कॉल की जा सकती है।

बदलते भारत के साथ हमारे हाइवे आधुनिक और हाई-स्पीड हो रहे हैं, लेकिन रफ्तार के इस दौर में सुरक्षा सबसे अहम है। अगली बार जब आप किसी लंबे सफर पर निकलें, तो अपनी गाड़ी की डिक्की चेक करने के साथ-साथ अपने दिमाग और मोबाइल की स्पीड डायल लिस्ट में 1033 को जरूर सेव कर लें। क्योंकि जब हाइवे पर मुश्किलें रास्ता रोकती हैं, तो यही चार अंक संजीवनी बनकर जिंदगी की रफ्तार को थमने नहीं देते।

बीमा सुविधा प्राप्त मरीजों की जेब पर भी दबाव

बीमा आधारित स्वास्थ्य देखभाल का मॉडल कुल मिलाकर आम जन को कितनी राहत दे पा रहा है? या आयुष्मान भारत जैसी योजनाएं असल में प्राइवेट अस्पतालों को सार्वजनिक धन ट्रांसफर करने का माध्यम बनी हुई हैं?

स्वास्थ्य देखभाल की स्थिति के बारे में नेशनल सैंपल सर्वे (एनएसएस) से सामने आए कई तथ्य चिंताजनक हैं। 2017-18 में एनएसएस के 75वें दौर के सर्वे में स्वास्थ्य क्षेत्र की स्थिति का जायजा लिया गया था। जनवरी-दिसंबर 2025 में हुए 80वें फिर ऐसा हुआ। यानी ताजा निष्कर्षों से लगभग सात वर्षों में आए बदलावों का अंदाजा लगा है। इसके मुताबिक देश में बीमा करवेज बढ़ा है, मगर अस्पताल में मरीजों के भर्ती होने की दर लगभग जस की तस है। दूसरी तरफ अस्पताल में भर्ती मरीजों के अपनी जेब से खर्च करने की दर बढ़ी है। ऐसा इसलिए होता है, क्योंकि कई प्रकार की जांच अस्पताल से बाहर करवानी पड़ती है। साथ ही कई दवाएं खुद खरीदनी पड़ती है।

इलाज प्राइवेट अस्पताल में हो रहा हो, तो यह खर्च और बढ़ जाता है। ग्रामीण इलाकों में बीमा कवरेज 14.1 से बढ़ कर 47.4 प्रतिशत और शहरी इलाकों में 19.1 से 44.3 प्रतिशत हो गया है। इस वृद्धि का प्रमुख कारण आयुष्मान भारत या राज्य सरकारों की बीमा योजनाएं हैं। इसके अलावा एनएसएस में ईएसआईएस और सीजीएचएस की सुविधा प्राप्त सरकारी कमर्चारियों को भी बीमा कवरेज प्राप्त लोगों में गिना गया, जिससे कवरेज का दायरा अधिक फैला हुआ नजर आता है। बहरहाल, ध्यान खींचने वाली बात यह है कि बीमा सुविधा प्राप्त मरीजों की जेब पर भी दबाव बना हुआ है।

तो सवाल है कि बीमा कवरेज आधारित स्वास्थ्य देखभाल का मॉडल कुल मिलाकर आम जन को कितनी राहत दे पा रहा है? या आयुष्मान भारत जैसी योजनाएं असल में प्राइवेट अस्पतालों को सार्वजनिक धन ट्रांसफर करने का माध्यम बनी हुई हैं? प्राइवेट अस्पताल अधिकतम मुनाफा कमाने से नजरिए से चलते हैं, जहां कोशिश बीमा योजना के तहत अधिकतम संभव रकम झटक लेने पर होता है। आम तौर पर होने वाले ऐसे तजुर्बो की पुष्टि एनएसएस ने की है। अतः स्वास्थ्य देखभाल के वर्तमान

ढांचे पर समग्र पुनर्विचार की जरूरत है। मुद्दा यह है कि सार्वजनिक क्षेत्र में सबको स्वास्थ्य सेवा मुहैया कराने के अलावा क्या कोई कारगर विकल्प मौजूद है? स्पष्टतः अब प्राथमिकता बीमा योजनाएं नहीं, बल्कि सरकारी अस्पताल बनवाना होना चाहिए।

ईद-उल-अजहा पर खुले में कुर्बानी न करें, सभी की आस्था का रखें ध्यान : डॉ. सलीम राज

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

आगामी 28 मई गुरुवार को पूरे देश में ईद-उल-अजहा का त्योहार मनाया जाएगा। इस मौके पर छत्तीसगढ़ राज्य वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. सलीम राज ने मुस्लिम समाज से अपील की है कि खुले क्षेत्रों या सार्वजनिक स्थानों पर कुर्बानी न करें और सभी समाज की आस्था का सम्मान करें।

28 से 30 मई तक होगी कुर्बानी

डॉ. सलीम राज ने बताया कि छत्तीसगढ़ में ईद-उल-अजहा की नमाज सुबह 6 बजे से 11 बजे तक विभिन्न मस्जिदों और ईदगाहों में निर्धारित समय पर अदा की जाएगी। यह त्योहार हजरत इब्राहीम और हजरत इस्माईल अलैहिस्सलाम की याद में मनाया जाता है। 28 मई के सूर्योदय से 30 मई के सूर्यास्त तक साहिबे निसाब मुस्लिम व्यक्ति द्वारा कुर्बानी की जाती है।

पैगंबर ने संविधान और भाईचारे का संदेश दिया

डॉ. राज ने कहा कि पैगंबर साहब ने भी संदेश दिया है कि हम जिस देश में रहते हैं वहां के संविधान का आदर करें और पड़ोस में रहने वाले भाइयों की आस्था का सम्मान करें, ताकि समाज में आपसी भाईचारा और अमन कायम रहे। इस्लाम धर्म, कुरआन और हदीस भी सभी धर्मों के प्रति आस्था, मोहब्बत और सांप्रदायिक सौहार्द का संदेश देते हैं।

इन बातों का रखें ध्यान: वक्फ बोर्ड की अपील

डॉ. सलीम राज ने मुस्लिम भाइयों से अपील करते हुए कहा कि खुले में कुर्बानी न करें: ईद-उल-अजहा पर खुले में या सार्वजनिक स्थानों पर कुर्बानी बिल्कुल न करें। प्रतिबंधित पशुओं से बचें: प्रतिबंधित पशुओं की कुर्बानी न की जाए। सोशल मीडिया: कुर्बानी की फोटो या वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल न करें। इससे अन्य समाज के लोगों को तकलीफ होती है और माहौल खराब होता है। साफ-सफाई: कुर्बानी का खून नालियों में न बहाएं। अपशिष्ट पदार्थ व खून गड्ढा खोदकर दफनाएं। कुर्बानी के बाद साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखें। नमाज: रोड पर नमाज अदा न करें। जमात ज्यादा होने पर पूर्व वर्षों की भांति शिफ्टों में नमाज की व्यवस्था करें। डॉ. राज ने कहा कि कई बार कुछ लोगों द्वारा खुले में कुर्बानी करने या वीडियो वायरल करने से बहुसंख्यक भाइयों को तकलीफ होती है और समाज का वातावरण दूषित होता है। उन्होंने सभी से सांप्रदायिक सौहार्द और आपसी भाईचारा कायम रखते हुए त्योहार मनाने की अपील की।

खुर्सीपार में चिट्टा बेचते युवक गिरफ्तार, 5.65 ग्राम मादक पदार्थ जब्त

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

नशे के खिलाफ अभियान के तहत दुर्ग पुलिस ने थाना खुर्शीपार क्षेत्र में बड़ी कार्रवाई की है। आईटीआई मैदान के पास अवैध मादक पदार्थ चिट्टा बेचते हुए 19 वर्षीय युवक को रंगे हाथ गिरफ्तार किया गया है। आरोपी के कब्जे से 05 ग्राम 650 मिलीग्राम चिट्टा और घटना में प्रयुक्त विवो कंपनी का मोबाइल जब्त किया गया है। पुलिस को सूचना मिली थी कि आईटीआई मैदान खुर्शीपार के पास एक व्यक्ति चिट्टा बेच रहा है। सूचना पर पुलिस टीम ने तत्काल घेराबंदी कर संदेही को पकड़ा। त्पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम आयान कुरैशी, उम्र 19 वर्ष, निवासी उत्तम टॉकीज के पीछे, छावनी भिलाई बताया। आरोपी ने अवैध लाभ के लिए मादक पदार्थ बेचना स्वीकार किया। थाना खुर्शीपार में अपराध क्रमांक 186/2026 धारा 8, 21(ख) एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया। दुर्ग पुलिस ने आम नागरिकों से अपील की है कि मादक पदार्थों के अवैध कारोबार की सूचना तत्काल पुलिस को दें। ऐसे अपराधों में संलिप्त लोगों के खिलाफ कड़ी वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। इस कार्रवाई में थाना खुर्शीपार पुलिस टीम की सराहनीय भूमिका रही।

साप्ताहिक जलसा

स्वयंसिद्धा

छत्तीसगढ़ की अग्रणी संस्था स्वयंसिद्धा ए मिशन द्वारा गत 7 वर्षों से प्रत्येक सप्ताह संगीत, साहित्य, संस्कृति, स्वास्थ्य, सिनेमा, फोटोग्राफी, कानूनी सलाह आदि विषयों पर नियमित स्तंभ चलाए जाते हैं जिनमें प्रत्येक सोमवार परिचर्चा का आयोजन किया जाता है। अधिकारियों, जिम्मेदारों, नेताओं, मंत्रियों के विचार तो हम हमेशा सुनते हैं लेकिन आम गृहणियाँ समसामयिक विषयों पर क्या सोचती है इस पर हमने कभी बात नहीं की।

विवाह में प्रेम से अधिक सम्मान महत्वपूर्ण होता है

इस सप्ताह स्वयंसिद्धा के साप्ताहिक जलसा परिचर्चा में विषय था " दहेज के नाम पर मारी जाती बेटियों की कहानी आखिर कब तक ?" संस्था की अध्यक्ष डॉ. सोनाली चक्रवर्ती कहती है " यकीन नहीं आता हम सन 2026 में है जहां आज भी दहेज हत्याएं और लड़कियों के प्रति कुदृष्टि रखी जा रही है। सूत्रों के मुताबिक भारत में हर सप्ताह औसतन 110 से 115 दहेज हत्याएं होती हैं। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (NCRB) के आंकड़ों के अनुसार, देश में हर दिन औसतन 16 महिलाओं (यानी हर 90 मिनट में एक) की जान दहेज के कारण जाती है। हालिया रिपोर्टों में भारत में सालाना लगभग 5,700 से 6,000 दहेज हत्याएं दर्ज की जा रही हैं।

राज्यवार स्थिति: 2024 में दर्ज कुल दहेज मौतों में उत्तर प्रदेश (2,038 मामले) और बिहार (1,078 मामले) सबसे आगे थे, जो देश के कुल मामलों का आधे से ज्यादा हिस्सा हैं। आखिर गड़बड़ कहां हो रही है ? हम जिन अच्छे लड़कों को देखकर बेटी की शादी पक्की करते हैं, जो अच्छे खानदान के हैं, पढ़ लिखकर ऊंचे ओहदों पर है, अच्छा कमाते हैं वह पूरा का पूरा परिवार अचानक विलेन क्यों हो जाता है ? यह मानसिकता कहां से आ रही है ? जब भी ऐसी कोई घटना होती है लोग सहानुभूति की बजाए लड़की के चरित्र से लेकर जीवन शैली पर सवाल उठाते हैं ? क्या किसी लड़की की जान से भी अधिक कुछ महत्वपूर्ण है ?

प्रगति नगर रिसाली निवासी देबजानी मजूमदार कहती हैं

ट्विशा की मौत ने भीतर तक हिला दिया है। मन बहुत भारी है। शब्द हैं पर जैसे गले में अटक गए है। शायद इसलिए भी इतना दर्द हो रहा हैङ्ख क्योंकि मेरी भी एक बेटी है और जब भी ऐसी खबर सुनती हूँ, दिल डर से भर जाता है। एक माँ के मन में हजार सवाल उठते हैं

क्या हमारी बेटियाँ सच में सुरक्षित हैं ?क्या उन्हें पढ़ा-लिखा, मजबूत और काबिल बना देने भर से उनकी जिंदगी सुरक्षित हो जाती है। हम अपनी बेटियों को बड़े प्यार से पालते हैं, संस्कार देते हैं, पढ़ाते हैं, उन्हें अपने पैरों पर खड़ा होना सिखाते है फिर एक दिन भरोसे के साथ किसी और घर भेज देते हैं। लेकिन वही घर अगर उसके सपनों की जगह उसकी तकलीफ बन जाए-तो एक माँ का दिल कैसे न टूटे कभी दहेज के नाम पर, कभी अपमान के नाम पर, कभी रिश्तों की आड़ में, एक औरत को क्यों हर बार परीक्षा देनी पड़ती है ?

आज महिलाएँ आसमान छू रही हैं जहाज उड़ा रही हैं, घर और बाहर दोनों संभाल रही हैं, हर क्षेत्र में खुद को साबित कर रही हैं। फिर भी कहीं तेजाब, कहीं हिंसा, कहीं जलाकर मार देना, कहीं फाँसी पर लटका देना आखिर कब तक। क्यों नहीं लोग ये समझते कि जो आपके घर की बहू है, वो किसी माँ की जान है किसी पिता का गर्व है, किसी बच्चे की पूरी दुनिया है। गुस्सा भी है, बेबसी भी है, और बहुत गहरा दुख भी। ऐसे अपराधों पर सिर्फ बातें नहीं- सख्त और तुरंत न्याय होना चाहिए। ताकि किसी और बेटी की जिंदगी इस तरह न छीनी जाए।

शारीरिक से ज़्यादा मानसिक यातनाओं से इंसान टूट जाता है-कुदसिया अली

इस्पात नगर निवासी वरिष्ठ शिक्षिका कुदसिया अली का कहना है -यह एक ऐसा विषय हैं जिससे रूह कांप जाती है। सिर्फ सुनकर कि एक बेटी जिसको इतने नाजो से माँ बाप पालपोस कर दूसरे घर भेजते है यही उम्मीद के साथ कि उनकी यह नन्ही चहकती चिड़िया वहां भी अपने पंख पसार के चहकेगी और अपना एक घरौंदा बसाएगी।

अगर जीवन साथी ही वहशी बन जाये जो आपको सिर्फ एक ट्रंप कार्ड समझे जिससे उसकी बेतुकी फरमाईश पूरी हो तो इससे बड़ा दुख कोई नहीं। हर इंडियन शादी में लड़की वाले बढ़ चढ़कर आदर सत्कार करते है लड़के वालों का, और अपनी बेटी को भी जरूरत की हर चीज देते है।

लड़की चाहे कितनी भी पढ़ी लिखी क्यों न हो उसको यही समझाया जाता है ससुराल में एडजस्ट करके चला जाता है। कोई भी लड़की नहीं चाहती अपनी गृहस्थी बिखरे। पर जब तकलीफ होती है तो अपने परिजनों को ही बताना चाहिए। वक़्त रहते बता देना ठीक है। शुरु से ही ऐसे लोग अपने असली रंग दिखाते है जो आगे चलकर लड़कियों को प्रताड़ित करते है। बस मां-पिताजी को समझना चाहिए कि बेटी की जिंदगी के साथ जो हो रहा है उससे बाहर आना ज़्यादा जरूरी है समाज के ढकोसलों से। शारीरिक से ज़्यादा मानसिक यातनाओं से इंसान टूट जाता है।और एक बात कहना चाहूंगी, लड़के वाले है तो अपने लड़कों को इंडिपेंडेंट बनाए, किसी के भरोसे नहीं होना चाहिए, एक नौकरी पेशा लड़की अगर बहु बनकर आती है तो उसकी भी अपेक्षाएं होती है पति से। लड़कियों को भी ये समझना चाहिए के कुछ फैसले प्रैक्टिकल होकर करना पड़ेगा।

लड़की कितनी भी आगे बढ़ जाए लोगों की सोच वही रहती है-अनीता पांडे

सेक्टर 4 भिलाई निवासी अनीता पांडे कहती है-"

जब भी ऐसी घटना होती है तो लडकियों को ही गलत साबित करने लग जाते हैं। पितृसात्मकता कितने गहरे तक धंसी हुई है। ये सच है कि जमाना कितना भी बदल जाए लड़की कितनी भी आगे बढ़ जाए लोगों की सोच वही रहती है। यही सोच तो बदलनी है कि आपने अपनी बेटी की शादी देख सुन कर की पर किसी के अंतरात्मा को नहीं जान सकते कि आपने जिस धूम धाम से शादी की है वही उसके दुश्मन है।

पर लड़कियों को यह शिक्षा देनी बहुत जरूरी है कि हमने तुम्हारी शादी एक इंसान से की है लेकिन लगने लगे कि वह इंसान नहीं हैवान है तो तुरंत अपना रास्ता बदल दो। जहां लगे कि लोग क्या कहेंगे तो सोच लेना कुछ तो लोग कहेंगे लोगों का काम है कहना। अपनी बेटी को वापस ले आओ मरने से तो अच्छा है बेटी अपनी जिंदगी जिए। आजकल तो ऐसे भी बेटियां कमाती है।अपना खर्च वह स्वयं उठाती हैं।किसी की मोहताज नहीं है।मां बाप के घर के दरवाजे उनके लिए हमेशा खुले हैं, अपनी जिंदगी खुशी खुशी जिए। बेटियां आपके नजरों के सामने तो रहेंगी और लड़कियों को शुरू से कमजोर नहीं बनाना चाहिए शेरनी जैसे लड़ना सीखाना चाहिए जो अपनी लड़ाई स्वयं लड़ सके।

बेटी व बेटे के माता-पिता भी सशंकित और डरे रहते है-प्रियंका सिंह

मैत्री कुंज निवासी प्रियंका सिंह कहती हैं कि "शादी

'जैसे पवित्र संस्कार को शायद इतना कलुषित तो किसी युग में नहीं किया गया होगा । आज कल हालात ऐसे हो गए है कि ,क्या लड़की वाले , क्या लड़के वाले सभी शादी करने से पहले डर जाते है ।जितना एक बेटी के माँ बाप (मैं भी एक बेटी की माँ हूँ) अपनी बेटी के भविष्य और सुरक्षा को लेकर सशंकित और डरे रहते है , उतने ही बेटों के माता-पिता भी सशंकित और डरे रहते है की ना जाने कैसी लड़की आएगी !

पहले कहते थे कि एक सफल शादी में लड़कियों को एडजस्ट करना चाहिए फिर कहा गया कि सास को माँ की तरह बहू को अपनी बेटी बना कर रखना चाहिए , फिर कहा गया सास ससुर छोड़ो अब तो लड़का लड़की ही निभा ले तो माँ बाप गंगा नहा ले । लेकिन अब जाने क्या समय आ गया है "

स्मृति नगर निवासी नमिता त्रिपाठी का कहना है- "शादी आजकल एक दिखावटी इवेंट बन कर रह गया। मेरे हिसाब से जितना भी खर्च करते हैं उससे बेटी के नाम से एक सुंदर सा घर देने से ओर कुछ जीवन में आगे बढ़ने की तैयार करने के लिए जमा करने से बेटी खुश रह पाएगी।"

सेक्टर 4 निवासी राजकुमारी कनोजे कहती हैं कि "हर वर्ष इसी तरह की घटनाएं देखने सुनने को मिल रही है। लड़की के शिकायत करने पर उसके माता पिता ये समझाईश देते है कि बेटा थोड़ा सामन्जस्य बना कर चलो । अगर लड़की ससुराल वालो की शिकायत कर रही है तो माता पिता को इस विषय में गंभीरता से सोचना चाहिए ।इसके चलते भी कई लड़कियां आत्म हत्या जैसे कदम उठाने पर मजबूर हो जाती है। पता नही ये सिलसिला थमेगा कब ?"

बहुत मुश्किल होता जा रहा है शादी जैसे पवित्र बंधन-पुनिता कौशल

तालपुरी निवासी महिला उद्यमी पुनीता कौशल का कहना है-"बहुत मुश्किल होता जा रहा है शादी जैसे पवित्र बंधन इन रोज की घटनाओं के कारण पहले मीडिया और सीसीटीवी फुटेज ना होने के कारण बहुत सारी सच्चाई दबा दी जाती थी। बेटियों का मरना पिछले 50-60 सालों से भी रुक ही नहीं रहा है । माँ बाप का मन बेटियों का ऐसा हाल होते देख विचलित होता है ।"

घर की देखभाल और जिम्मेदारियां दोनों को मिलकर उठानी चाहिए-रीता वैष्णव

राधिका नगर निवासी रीता वैष्णव कहती है-" समस्या जटिल है पर समाधान भी जरुरी हैं आने वाले समय मे हम सभी इसी दौर से गुजरेंगे। दहेज प्रथा को अब की लड़कियां ही मना कर देती है।ऐसे घर हम शादी ही नहीं करेंगे कहती है। मंडप पर पिता मजबूर खड़ा जरूर होता हैं पर बेटी खुद फैसला लेती हैं। समाज का डर नहीं होता अब सीधा बारात वापस कर देने की भी हिम्मत रखती है आज की बेटियां।

बेटियों को पढ़ा लिखा कर मजबूत बनाने के साथ-साथ उसे बेसिक ज्ञान भी देना जरूरी है, शादी का मतलब होता हैं दो लोगों के बीच आपस मे एक-दूसरे का साथ देना और इक दूसरे की मन की बातों को समझना। इंसान को इंसान समझ कर इज़्जत करना। नौकरी आजकल पति पत्नी दोनों करते हैं तो घर की देखभाल और जिम्मेदारियां दोनों को मिलकर उठानी चाहिए "

9वीं स्टेट मात्सोगी-डो फेडरेशन कप में कबीरधाम का जलवा

लोहारा ब्लॉक के खिलाड़ियों ने जीते 5 गोल्ड समेत 8 पदक, जिले का बढ़ाया मान

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

राजधानी रायपुर के मठपुरैना स्थित शासकीय हाई स्कूल परिसर में आयोजित 9वीं छत्तीसगढ़ स्टेट मात्सोगी-डो फेडरेशन कप 2026 में कबीरधाम जिले के लोहारा ब्लॉक के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया। खिलाड़ियों ने 5 गोल्ड, 2 सिल्वर और 1 ब्रॉन्ज समेत कुल 8 पदक जीतकर जिले का नाम रोशन किया।

गोल्ड मेडल विजेता

प्रतियोगिता में सीता साहू ग्राम छोटूपारा, कविता मरकाम ग्राम सोनपुर, छत्रपाल मेरावी ग्राम नवापारा लोहारा, गजेंद्र निर्मलकर ग्राम बबई और रविंद्र चंद्रवंशी ग्राम रूसे कवर्धा ने गोल्ड मेडल अपने नाम किया।

सिल्वर-ब्रॉन्ज विजेता

सीमा साहू ग्राम खोलवा और ट्रामिका धुर्वे ग्राम सरोधी ने सिल्वर मेडल जीता। वहीं खेमबाई धुर्वे ग्राम सारी, लोहारा ने ब्रॉन्ज मेडल हासिल किया।

कोच की रही अहम भूमिका

खिलाड़ियों की सफलता में कोच टिकेश्वरी साहू की अहम भूमिका रही। सीनियर कोच राजेश कुमार मेरावी और ऐशकुमार साहू ने निरंतर प्रशिक्षण दिया। सहयोगी कोच अरबाज बेग मिर्जा ने भी विशेष सहयोग किया।

बधाईयों का लगा तांता

लोहारा ब्लॉक अध्यक्ष सुधीर पांडे ने खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों और अभिभावकों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों के खिलाड़ी राज्य स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहे हैं। लोहारा राज के राजा खड़ग सिंह राज और रानी आकांक्षा देवी सिंह ने भी विजेताओं को शुभकामनाएं दीं और कहा कि क्षेत्र के युवा लगातार खेलों में कबीरधाम का नाम रोशन कर रहे हैं। खिलाड़ियों की इस उपलब्धि से पूरे जिले में उत्साह और गर्व का माहौल है।

राष्ट्रीय अध्यक्ष बोले- मुगलों ने किया था भोजशाला पर अतिक्रमण

भोजशाला फैसले पर खुशी : पवार क्षत्रिय संघ ने मनाया एक दीपक मां वाग्देवी के नाम उत्सव

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय की इंदौर खंडपीठ द्वारा भोजशाला प्रकरण में 15 मई 2026 को दिए गए फैसले का स्वागत करते हुए पवार क्षत्रिय संघ भिलाई-दुर्ग ने रविवार 17 मई को ह्यएक दीपक मां वाग्देवी के नामह्ल उत्सव मनाया। राजा भोज मंगल भवन, नेहरू नगर भिलाई के प्रांगण में आयोजित कार्यक्रम में मां वाग्देवी और राजा भोज की प्रतिमा पर दीप प्रज्वलित किए गए।

दीपों से जगमगाया भवन, आतिशबाजी कर मनाई खुशी

कार्यक्रम का शुभारंभ मां गढ़कालिका, मां वाग्देवी एवं चक्रवर्ती सम्राट राजा भोज को तिलक, माल्यार्पण और मां वाग्देवी के चरणों में दीप प्रज्वलित कर किया गया। सम्पूर्ण भवन को दीपकों से सजाया गया। युवा कायर्कारिणी ने आतिशबाजी और पटाखे फोड़कर खुशी जाहिर की। इस दौरान मिठाई और खिचड़ी का वितरण भी किया गया।

राष्ट्रीय अध्यक्ष ने बताया भोजशाला का इतिहास

कार्यक्रम का संचालन महासचिव नीतिराज राहंगडाले ने किया। राष्ट्रीय पवार क्षत्रिय महासभा भारत के राष्ट्रीय अध्यक्ष नंदलाल चौधरी ने भोजशाला के इतिहास पर प्रकाश डालते हुए कहा कि मुगलों द्वारा भोजशाला पर अतिक्रमण किया गया था। वरिष्ठ संरक्षक डॉ. वाय.आर. कटरे, संरक्षक गोविंदलाल राहंगडाले, हरिकृष्ण बिसेन, प्रभाकर खौसी सहित इतिहासकारों ने भी अपने विचार रखे।

बड़ी संख्या में जुटे समाजजन : उत्सव में संगठन के संस्थापक सदस्य एवं समाजसेवी गुलाब सिंह चौहान मलाजखंड, पांढुर्ना से डोंगरे, भोपाल से राम प्रसाद पवार समेत तीनों कायर्कारिणी के सदस्य और बड़ी संख्या में सामाजिक गणमान्य लोग उपस्थित थे। अंत में संगठन के अध्यक्ष छोटेलाल पारधी ने आभार व्यक्त करते हुए कार्यक्रम के समापन की घोषणा की।

जरहागांव पुलिस की कार्रवाई : शादी का झांसा देकर युवती से दैहिक शोषण, आरोपी गिरफ्तार

नई दृष्टिबिंदु / मुंगेली

एसएसपी भोजराम पटेल के निर्देशन में मुंगेली पुलिस ने शादी का झांसा देकर युवती से लगातार दैहिक शोषण करने वाले आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। आरोपी ने पीड़िता से 2017 से शारीरिक संबंध बनाए और इस दौरान दूसरी लड़की से शादी करने के बाद भी 22-23 मई को जबरदस्ती संबंध बनाए।

क्या है मामला

थाना जरहागांव में पीड़िता ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि आरोपी अरुणेश उर्फ गोलू प्रजापति, उम्र 33 वर्ष, निवासी कुम्हारपारा बरेला ने 25 फरवरी 2017 को पहली बार शादी का झांसा देकर उसके गृह ग्राम में शारीरिक संबंध बनाए। इसके बाद लगातार शादी का प्रलोभन देकर कई बार संबंध बनाता रहा। शादी की बात करने पर आरोपी टालमटोल करता रहा और मना कर देता था।

दूसरी शादी के बाद भी किया शोषण

पीड़िता के अनुसार, 4 मई 2026 को आरोपी ने दूसरी लड़की से शादी कर ली। इसके बावजूद 18 मई 2026 को वह पीड़िता के ऑफिस के आसपास घूम रहा था। बात नहीं करने पर 22 और 23 मई 2026 को आरोपी उसके किराए के मकान में पहुंचा और जबरदस्ती शारीरिक संबंध बनाए।

ऐसे की कार्रवाई

पीड़िता की रिपोर्ट पर थाना जरहागांव में अपराध क्रमांक 77/26 धारा 69 इठर के तहत मामला दर्ज किया गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए एसएसपी भोजराम पटेल के निर्देश पर एएसपी नवनीत कौर छाबड़ा के मार्गदर्शन में जांच शुरू हुई। विवेचना के दौरान रउ-रळ एक्ट भी जोड़ा गया। उप पुलिस अधीक्षक हरविंदर सिंह अजाक ने अग्रिम विवेचना की। पीड़िता का कथन और स्वास्थ्य परीक्षण कराया गया।

घटना के बाद से फरार चल रहे आरोपी अरुणेश उर्फ गोलू प्रजापति को 25 मई 2026 को हिरासत में लिया गया। पूछताछ में अपराध स्वीकार करने और पर्याप्त साक्ष्य मिलने पर उसे विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया।

कार्रवाई में थाना प्रभारी उप निरीक्षक शोभा यादव, सउनि लव सिंह ध्रुव और आरक्षक उमेश सोनवानी की अहम भूमिका रही। मुंगेली पुलिस ने कहा कि महिला संबंधी प्रकरणों में त्वरित कार्रवाई की जा रही है।

खुर्सीपार के मकान में चल रहे जुआ फड़ पर पुलिस का छापा, 5 गिरफ्तार

भिलाई। दुर्ग पुलिस ने अवैध जुए के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए खुर्शीपार क्षेत्र के सड़क एवेन्यू क्वार्टर नंबर 6 स्थित मकान में चल रहे जुआ फड़ पर छापा मारा। अउउव और थाना खुर्शीपार की संयुक्त टीम ने मौके से जुआ खेलते और खिलाते पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने फड़ से नकदी, कार, मोटरसाइकिल, मोबाइल समेत कुल 16,70,615 रुपये की संपत्ति जब्त की है।

घेराबंदी कर दी दबिश : पुलिस को सूचना मिली थी कि सड़क एवेन्यू क्वार्टर नंबर 6 के मकान में रुपये-पैसों का दांव लगाकर जुआ खेला जा रहा है। सूचना पर वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर ACCU और खुर्शीपार पुलिस ने संयुक्त घेराबंदी कर दबिश दी। मकान के अंदर पांच व्यक्ति जुआ खेलते पकड़े गए। **क्या-क्या हुआ बरामद :** मौके से 92,615 रुपये नकद, ताश की 2 गड्डी, लगभग 14 लाख की 2 कार, 1 लाख की 2 मोटरसाइकिल, विभिन्न कंपनियों के मोबाइल फोन, 4 प्लास्टिक कुर्सी, 1 प्लास्टिक टेबल और अन्य सामग्री बरामद की गई। कुल जब्ती 16,70,615 रुपये की है। आरोपियों का कृत्य छत्तीसगढ़ जुआ प्रतिषेध अधिनियम 2022 की धारा 4, 5 एवं धारा 112 इठर के तहत पाए जाने पर थाना खुर्शीपार में अपराध क्रमांक 185/2026 दर्ज कर वैधानिक कार्रवाई की गई। गिरफ्तार आरोपी में जानकी रमैया, 60 वर्ष, निवासी सड़क नंबर 2, भिलाई , जितेंद्र सिंह, 58 वर्ष, निवासी केएलसी काली मंदिर के पीछे, खुर्शीपार , अशोक कुमार सोनी, 45 वर्ष, निवासी दुर्गा नगर, सपना टॉकीज के पीछे, मोहम्मद अनीस, 51 वर्ष, निवासी दुर्गा नगर, सपना टॉकीज के पीछे, पावर हाउस छावनी और रवि कुमार, 50 वर्ष, निवासी सेक्टर 11, जोन 1, सड़क एवेन्यू क्वार्टर नंबर 6, खुर्शीपार शामिल हैं। पुलिस ने बताया कि आरोपियों ने अवैध रूप से आर्थिक लाभ अर्जित करने के लिए जुआ फड़ संचालित किया था। दुर्ग पुलिस ने आम नागरिकों से अपील की है कि जुआ, सट्टा और अन्य अवैध गतिविधियों की सूचना तत्काल पुलिस को दें। कानून व्यवस्था भंग करने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार भिलाई नगर, तहसील व जिला दुर्ग

-:: ईश्तहार ::-

(रा.प्र.क्र. ..../अ/6 वर्ष 2025-26)

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक सुषमा गुप्ता आ./ध.प. सुशील कुमार गुप्ता निवासी - सरोना कांकेर द्वारा ग्राम कोहका प.ह.नं. 45. रा.नि.मं. कोहका तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमि खसरा नं. 1704/68 रकबा 0.020. भूमि को रजिस्ट्री बैनामा के आधार पर दिनांक 02/11/2007 के आधार पर विक्रेता डॉ. अनुपम दीक्षित/ डॉ. आरके दीक्षित से क्रय किया गया है, कि रजिस्ट्री बैनामा के आधार पर नामांतरण किये जाने बाबत् आवेदन पत्र मय बैनांमा की छाया प्रति प्रस्तुत किया गया है।

अतः उपरोक्त भूमि के संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति या उजर दावा हो तो सुनवाई तिथि दिनांक 29/05/2026 तक या उसके पूर्व स्वयं या अपने मान्य अधिवक्तागण के साथ उपस्थित होकर अपना आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित तिथि के बाद प्राप्त आवेदन पत्र पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 14/05/2026 को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय के मुहर से जारी किया गया है।

अतिरिक्त तहसीलदार
भिलाई नगर

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार भिलाई के न्यायालय में मामला क्रमांक : 202604101000540

विषय:- अ-6 अ मामले की श्रेणी:- राजस्व
सन:-2025-2026
कुरुद प.ह.न. 00046 [(हे0)]
पक्षकारों का विवरण - आवेदक पक्षकार निखिल कुमार,
अनावेदक पक्षकार -

ईश्तहार

एतद द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक निखिल कुमार पिता/पति/विभाग-भरत लाल निनावे पता-भिलाई द्वारा ग्राम कुरूद प.ह.न. 46 रा.नि.म. कोहका, तहसील व जिला दुर्ग की भूमि ख.न. 1185/26 रकबा 0.002 है./240 वर्गफीट आवेदक के पिता द्वारा क्रय कर नामांतरण करा लिया गया है आवेदक के पिता की मित्यु हो जाने के कारण एवं उक्त भूमि --प्रदर्शित हो होने के कारण त्रुटी सुधार किये जाने एव वारिसानो का नाम दर्ज किया जाने हेतु न्यायालय में आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है

उपरोक्त भूमि का नामान्तरण किये जाने पर जिस किसी भी व्यक्ति संस्था को उजर दावा हो तो सुनवाई तिथि दिनाक 29/05/2026 तक या उसके पूर्व स्वयं या अपने मान्य अधिवक्तागण के साथ उपस्थित होकर अपना आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित तिथि के बाद प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 12/05/2026 को जारी किया जाता है।

डिकेशवर साहू
अतिरिक्त तहसीलदार, भिलाई नगर

'खतरों के खिलाड़ी 15' के साथ रोहित शेट्टी करने जा रहे हैं वापसी

मशहूर फिल्म निर्देशक रोहित शेट्टी एक बार फिर कलर्स टीवी के लोकप्रिय स्टंट-बेस्ड रियलिटी शो 'खतरों के खिलाड़ी 15' से होस्ट के तौर पर वापसी कर रहे हैं। शुक्रवार को उन्होंने दर्शकों के बीच शो को लेकर उत्सुकता जाहिर करते हुए पोस्ट शेयर किया। रोहित ने इंस्टाग्राम पर शो का प्रोमो वीडियो पोस्ट किया। इसमें रोहित अपने सिग्नेचर अंदाज में हेलीकॉप्टर में बैठकर जाते हुए नजर आ रहे हैं, जिसे देखकर फैंस की उत्सुकता शो को लेकर और भी बढ़ती दिख रही है। निर्देशक रोहित शेट्टी ने वीडियो पोस्ट कर लिखा, 'इस शो के होस्ट के तौर पर मेरा यह 10वां सीजन है और यह शो मेरे दिल के बहुत करीब है। इतने सालों से मुझे और इस शो को इतना प्यार देने के लिए आप सभी का दिल से धन्यवाद। मैं वादा करता हूं कि इस बार का सीजन जबरदस्त होने वाला है, इसलिए अपनी सीट बेल्ट बांध लीजिए। 'खतरों के खिलाड़ी' सीजन 15 जल्द आ रहा है।'

बता दें कि इस सीजन की शूटिंग साउथ अफ्रीका के केपटाउन में शुरू हो चुकी है। शो का प्रसारण जून के अंत या फिर जुलाई की शुरुआत में होने की उम्मीदें जताई जा रही हैं। इस बार शो में 'ओल्ड वर्सेस न्यू' (पुराने और नए खिलाड़ियों के बीच) का मुकाबला देखने को मिलेगा। वहीं, टीवी, फिल्मों और कुछ कंटेंट क्रिएटर भी शो का हिस्सा रहेंगे। इसमें गौरव खन्ना, रुबीना दिलैक, जैस्मिन भसीन, ऋत्विक धनजानी, करण वाही, अविका गौर, हर्ष गुजराल, ओरी, अविनाश मिश्रा, शगुन शर्मा, विशाल सिंह और फरहाना भट्ट समेत कई नाम शामिल हैं।

रोहित शेट्टी बहुचर्चित कॉमेडी फ्रेंचाइजी की नई फिल्म 'गोलमाल 5' भी लेकर आ रहे हैं। फिल्म की तैयारियां जोरों पर हैं। रोहित शेट्टी और अजय देवगन की यह 14वीं साझेदारी होगी। यह एक एक्शन-कॉमेडी फिल्म होगी, जिसमें अजय देवगन, अरशद वारसी, तुषार कपूर, श्रेयस तलपड़े और कुणाल खेमू एक साथ नजर आएंगे। साथ ही, शरमन जोशी भी 20 साल बाद इस फ्रेंचाइजी में वापसी कर रहे हैं। खिलाड़ी कुमार यानी अक्षय कुमार भी फिल्म में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते दिखाई देंगे।

क्या तलाक लेने वाली हैं सपना चौधरी?

हरियाणा की मशहूर डांसर और एक्ट्रेस सपना चौधरी और उनके पति वीर साहू की शादी को 6 साल हो चुके हैं और उनके दो बेटे (पोरस और शाहबीर) हैं। लेकिन हाल ही में आए सपना के एक इंटरव्यू के बाद दोनों के रिश्ते में अनबन और खटपट की खबरें सोशल मीडिया पर फैल गई हैं। लोग कयास लगा रहे हैं कि क्या दोनों के बीच सब ठीक है या बात तलाक तक पहुंच गई है। एक इंटरव्यू के दौरान जब सपना से उनकी लव मैरिज और हाथ पर लिखे पति 'वीर' के नाम के टैटू के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने कहा कि वह अपने हाथ से यह टैटू हटवाने वाली हैं। आमतौर पर लोग टैटू को प्यार की निशानी मानते हैं, इसलिए सपना के इस फैसले से फैंस हैरान रह गए। हालांकि, अफवाहें उड़ने से पहले ही सपना ने खुद इस पर सफाई दी।

सपना चौधरी ने क्या सफाई दी?

सपना ने बताया कि टैटू हटवाने का कारण उनका काम (एक्टिंग) है, न कि कोई घरेलू झगड़ा। उन्होंने कहा, 'एक फिल्म की शूटिंग के दौरान टैटू को छुपाने के लिए चेहरे से ज्यादा मेकअप हाथ पर करना पड़ा, जिससे काफी समय बर्बाद हुआ।' सपना आगे चलकर एक्टिंग में ज्यादा काम करना चाहती हैं। फिल्मों में अलग-अलग किरदार निभाने पड़ते हैं और यह टैटू उसमें रुकावट बन रहा है। सपना ने पहले ही साफ कर दिया ताकि बाद में टैटू हटा देखकर लोग उनके रिश्ते को लेकर गलत अफवाहें न उड़ाएं। इसके बावजूद, जब इंटरव्यू में पति-पत्नी के रिश्ते और झगड़ों पर बात हुई, तो सपना ने बड़े ही बेपरवाह अंदाज में जवाब दिया। उनका यह अंदाज फैंस को पसंद नहीं आ रहा है और लोग सोशल मीडिया पर पूछ रहे हैं कि क्या यह शादी सिर्फ दिखावे की रह गई है?

वीर साहू हरियाणा के मशहूर सिंगर, राइटर, म्यूजिक कंपोजर और एक्टर हैं। उन्होंने 'थड्डी बड्डी' और 'खलनायक' जैसे गाने गाए हैं। वहीं सपना हरियाणा और पंजाब की बेहद लोकप्रिय डांसर और एक्ट्रेस हैं। 'बिग बॉस 11' से इन्हें देशभर में पहचान मिली। 'मैडम सपना' उनकी आने वाली फिल्म का नाम है।

अकेले रहना कमजोरी नहीं ताकत है

अभिनेत्री रिद्धि डोगरा टेलीविजन और ओटीटी की दुनिया का जाना-माना नाम हैं। बुधवार को अभिनेत्री ने बताया कि अकेले रहना कोई कमजोरी नहीं, बल्कि ताकत है। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर एक तस्वीर पोस्ट की। इस तस्वीर में वह लाल रंग की साड़ी पहने एक कैफे में बैठी नजर आ रही हैं। रिद्धि ने लिखा, 'जब आप अकेले किसी कैफे में जाकर खाना खाने, अकेले फिल्म देखने या खुद के साथ वक्त बिताने से डरना बंद कर देते हैं, तो दुनिया आपको खतरनाक समझने लगती है। ऐसा इसलिए क्योंकि आप समाज की बनाई पुरानी सोच से अलग हटकर जीना शुरू कर देते हैं।' उन्होंने आगे लिखा, 'जब आप खुद के साथ खुश रहना सीख जाते हैं, तो आप दूसरों को खुश करने या उनकी उम्मीदों पर खरा उतरने के दबाव से आजाद हो जाते हैं। तब आप दूसरों को खुश करने के लिए अपनी जिंदगी नहीं जीते।' अभिनेत्री ने बताया कि इस दौरान आपको लोग पसंद तो आते हैं, लेकिन आप उन्हें बांधकर रखने की जिद नहीं करते और जरूरत पड़ने पर उन्हें छोड़ना भी सीख जाते हैं। फिर भी आपके दिल में उनके लिए प्यार कम नहीं होता। उन्होंने लिखा, 'ज्यादातर लोग इस तरह नहीं सोचते, इसलिए उन्हें समझ नहीं आता कि आपके साथ कैसे पेश आएं।'

इमोशनल सपोर्ट सायली-सचिन के रिश्ते की असली ताकत

अभिनत्री नेहा हरसोरा इन दिनों स्टार प्लस पर प्रसारित धारावाहिक 'उड़ने की आशा' में नजर आ रही हैं। वह सीरियल में 'सायली' का मुख्य किरदार निभा रही हैं। खास बातचीत के दौरान अभिनेत्री ने निजी जीवन की पसंद-नापसंद के बारे में बताया। धारावाहिक 'उड़ने की आशा' में नेहा के 'सायली' और सह-कलाकार कंवर ढिल्लन के 'सचिन' की ऑन-स्क्रीन जोड़ी को काफी पसंद किया जा रहा है। अभिनेत्री ने कहा, 'सच तो यह है कि सचिन और सायली शुरू से ही एक-दूसरे के लिए भावनात्मक रूप से खड़े रहे हैं। हालांकि, उनकी पहली प्राथमिकता हमेशा उनका परिवार ही रहा है। चाहे परिवार के सदस्यों ने उनके साथ कैसा भी बर्ताव क्यों न किया है, सायली और सचिन के लिए उनके माता-पिता और भाई-बहन हमेशा मायने रखते हैं।'

फिल्मों से क्यों दूर हैं नौहीद साइरूसी?

'अनवर' फेम नौहीद साइरूसी पिछले कुछ समय से फिल्मों में नजर नहीं आ रही हैं। फैंस लगातार उनसे उनके नए प्रोजेक्ट्स के बारे में पूछ रहे थे, जिसके बाद उन्होंने अब इस पर खुलकर बात की है। साथ ही उन्होंने फिल्म इंडस्ट्री का काली सच्चाई के बारे में भी बताया, जिसे सुनकर सब चौंक गए।

नौहीद ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया, जिसमें उन्होंने अपनी गैरमौजूदगी की असली वजह बताई। वीडियो में वह स्किनकेयर करते हुए नजर आईं और एक फैन के मैसेज का जवाब दिया, जिसमें पूछा गया था, 'आपकी कोई आने वाली फिल्म या शो है?' इस पर उन्होंने साफ कहा कि यह सबसे ज्यादा पूछा जाने वाला सवाल है और अब वह इसका सीधा जवाब देना चाहती हैं। नौहीद ने बताया कि इंडस्ट्री में काम करने के दौरान कुछ ऐसी उम्मीदें होती हैं, जो उन्हें अनकंफर्टेबल कर देती हैं। उन्होंने कहा कि कॉन्ट्रैक्ट साइन करते समय यह मान लिया जाता है कि एक्टर को किसिंग या इंटिमेट सीन करने में कोई दिक्कत नहीं होगी, लेकिन ऐसा नहीं होता है। उन्होंने कहा, 'फिल्म इंडस्ट्री में आज के समय में काम करना अच्छा है, लेकिन एक चीज है जो कॉन्ट्रैक्ट में होती है। आपको किसिंग और इंटिमेट सीन करने में पूरी तरह कम्फर्टेबल होना पड़ता है। मुझे ऐसा लगता है कि आजकल बिना वजह भी ऐसे सीन जोड़ दिए जाते हैं। और सच कहूं तो मुझे नहीं लगता कि हम स्क्रीन पर किसिंग करते हुए अच्छे लगते हैं। पता नहीं क्यों, शायद इन्हें सही तरीके से शूट करना नहीं आता।' उन्होंने आगे बताया कि इस सोच की वजह से उन्हें अपने करियर में नुकसान भी उठाना पड़ा। उन्होंने कहा, 'कई बार तो ऐसा होता है कि मैं हां या ना भी नहीं कह पाती, उससे पहले ही मुझे रिजेक्ट कर दिया जाता है, क्योंकि मैं कहती हूं कि मैं किसिंग सीन में कम्फर्टेबल नहीं हूं।'

इंस्टाग्राम ही मेरा असली रास्ता है

उन्होंने आगे कहा, 'मैं उन लोगों में से नहीं थी जो एक्टर्स या प्रोड्यूसर्स के ग्रुप में घूमती रहती हों। मेरी एक्टिंग के अलावा भी एक पूरी जिंदगी थी। इसी वजह से मुझे अक्सर नुकसान झेलना पड़ता था। मुझे सिर्फ किसी की बहन, किसी की भाभी जैसे छोटे रोल ही मिलते थे। लेकिन मैंने सोच लिया था कि मुझे ऐसा काम नहीं करना है। मैं ऐसे रोल करने से बेहतर है कि काम ही ना करूं।' उन्होंने आगे कहा, 'फिर मुझे समझ आया कि इंस्टाग्राम ही मेरा असली रास्ता है। मुझे खुशी है कि मैंने आपको ढूंढ लिया और आपने मुझे।'

कभी पत्रकार बनना चाहती थी फिर संगीत की रुचि हावी हो गई

अभिनेत्री ऋचा चड्ढा नेअपने करियर, अभिनय और सिनेमा से जुड़े कई पहलुओं पर दिलचस्प बातें साझा कीं।

मेरी सफलता मेरी खुद की है

मंच पर पहुंचीं ऋचा से जब पूछा गया कि क्या स्टेज पर आने पर या परफॉर्म करते वक्त नर्वसनेस होती है? तो एक्ट्रेस ने कहा, 'नर्वस तो नहीं होती लेकिन जब मेरी इतनी तारीफ होती है तो अविश्वसनीय लगता है। लखनऊ मेरा ससुराल है। अपनी यात्रा को लेकर मैं बहुत तहे दिल से शुक्रगुजार हूं। मुझे इस बात की खुशी है कि मुझे मेरे पसंदीदा करियर में मुकाम मिला है। मैं फिल्मी खानदान से नहीं हूं। तो यह अच्छा लगता है कि यहां तक अपने दम पर पहुंची हूं। लोग नेपोटिज्म पर बात करते हैं। मगर, इसका उल्टा भी होता है। मेरा सक्सेस मेरा खुद का है।

जीत-हार के बारे में ज्यादा नहीं सोचती

मंच पर ऋचा ने कहा, 'किसी का करियर या जिंदगी एक प्रोसेस होती है। उसमें कोई डेस्टिनेशन नहीं होती। मैं जीत और हार के बारे में ज्यादा नहीं सोचती। मुझे अच्छा लगता है कि मैं अपने उसूलों को कायम रखकर अपना काम चुन-चुनकर यहां तक पहुंची हूं। हां, करियर की शुरुआत मैं जरूर कुछ ऐसी स्क्रिप्ट में काम किया जिन्हें कहते हैं कि अपना दिमाग घर पर रखकर आओ।'

कभी जर्नलिस्ट बनने की चाहत थी

क्या ऋचा हमेशा से अभिनेत्री बनना चाहती थीं? पूछा जाने पर ऋचा ने कहा, 'बनना तो चाहती थी पर मुझे पढ़ने-लिखने का बहुत शौक था। मैं जर्नलिस्ट भी बनना चाहती थी। मेरी हिंदी-इंग्लिश दोनों बहुत अच्छी थी। म्यूजिक में भी रुचि थी। एक्टिंग का शौक था। फिर यह रुचि, ऋचा पर हावी हो गई और मैंने अपना करियर पथ चुना।'

मैंने हमेशा स्ट्रगल का स्वाद लिया

अपने शुरुआती दौर पर बात करते हुए ऋचा ने कहा, 'शुरुआत में मेरा बहुत स्ट्रगल रहा। मैं कोई दुख की ऐसी कहानी आपके साथ नहीं साझा करना चाहती कि मैं रेलवे स्टेशन पर सोई। मैंने स्ट्रगल का बहुत स्वाद लिया। यही सोचा कि जब मेरे पास फेम और पैसा आ जाएगा तो यह संघर्ष के दिन मुझे कितने याद आएंगे। कभी केतली में मैगी बनाकर भी खाती थी, वो स्ट्रगल सबका होता है पर ऊपर वाला बहुत कृपालु रहा।'

लोग क्या कहेंगे? यह नहीं सोचती

मंच पर ऋचा ने कहा, 'दुनिया का सबसे बड़ा रोग, क्या कहेंगे लोग। मुझे यह रोग नहीं पालना। मैं अपने सपनों के लिए, अपने समाज के लिए काम करना चाहती हूं। इसमें कुछ तो लोग कहेंगे... लोगों का काम है कहना, यह गाना सुनकर मैं अपना मन बहला लेती हूं। यह हमारी जर्नी का हिस्सा है।'

इंडस्ट्री को एक सोच बदलनी हो तो कहां जरूरत है उसकी?

मुझे बॉलीवुड में कुछ नहीं बदलना। वह एक सोसाइटी की झलक है। सोसाइटी बदलेगी तो बॉलीवुड बदल जाएगा। हमें ऐसी सोसाइटी बनाने है, जो बराबरी की हो, महिलाओं की इज्जत करे। ऐसा कुछ सोसाइटी होगी तो इंडस्ट्री में भी ऐसा हो जाएगी। मुझे लगता है कि औरत के अनगिनत लेबर पर हम गाने बनाते हैं। आज उसी की वजह से विज्ञापनों में कितना बदलाव है। यह बदलाव समाज में तेजी से दिखते हैं।

औरतों से कहा जाता है कि आपको बैलेंस करना होगा। आप इसे किस नजरिए से देखते हैं?

बैलेंस तो हम सबको करना पड़ता है। ग्रैविटी हमें बैलेंस पर रखती हैं। आपकी जड़ें जितनी मजबूत हों। परिवार के संस्कार जितने मजबूत हों। वह आपको स्ट्रेंथ देते हैं। मदरहुड की बात आपने की तो मैंने करीब डेढ़ साल तक आराम किया है। मैं मेंटली तैयार नहीं थी काम करने के लिए। मैंने वक्त लिया। क्योंकि लगा कि मेरे दिमाग और बॉडी को हील करने की जरूरी है। सबको ऐसा करना चाहिए। मुझे लगता है कि मर्द भी अगर चाहें तो बोलें कि मैं अपने नवजात शिशु के साथ तीन महीने रहना चाहता हूं।

प्रोड्यूसर बनने का फैसला कब लिया

बतौर एक्टर तो बहुत कुछ हो जाता है। हमें पांच साल तो मुंबई समझने में लग जाते हैं। मैंने अपनी शर्तों पर ही काम किया। जो पसंद आया, उसमें रिस्क होने पर भी मैंने किया। मैं बतौर निर्माता ऐसी कहानी कहना चाहूंगी, जो भारतीय जड़ों से जुड़ी हों लेकिन ग्लोबल उन्हें ले जा सकें। मैं कुछ अलग करना चाहूंगी। इसलिए मैंने गर्ल्स विल बी गर्ल्स प्रोड्यूस की थी।

प्रशासन और ग्रामीणों के भरोसे का सेतु बना सुशासन तिहार, पात्र हितग्राही हुए लाभान्वित

आमाडुला शिविर में बड़ी संख्या में पहुंचे ग्रामीण, विभिन्न समस्याओं से जुड़े आवेदन हुए प्राप्त, विभागीय योजनाओं की दी गई जानकारी

नई दृष्टिबिंदु / मोहला

सुशासन तिहार 2026 के अंतर्गत 25 मई को जनपद पंचायत मोहला के ग्राम पंचायत आमाडुला में जनसमस्या निवारण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में प्रशासन एवं जनप्रतिनिधियों ने ग्रामीणों से सीधे संवाद स्थापित कर उनकी समस्याएं सुनीं तथा विभिन्न मांगों एवं शिकायतों के निराकरण हेतु त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की। शिविर का उद्देश्य शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना तथा ग्रामीणों और प्रशासन के बीच विश्वास एवं सहभागिता को मजबूत करना रहा।

जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती नम्रता सिंह ने ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि सुशासन तिहार शासन की जनहितकारी सोच का प्रतीक है, जिसके माध्यम से प्रशासन गांवों तक पहुंचकर लोगों की समस्याओं का समाधान कर रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार की मंशा है कि प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पारदर्शिता एवं संवेदनशीलता के साथ पहुंचे। उन्होंने ग्रामीणों से शासन की योजनाओं का लाभ लेने तथा अपने गांव के विकास में सहभागी बनने का आह्वान किया। कार्यक्रम में जनपद अध्यक्ष श्रीमती गैंदकुंवर ठाकुर, सदस्य श्रीमती सीता देवी कोमरे, सदस्य श्रीमती लक्ष्मी कोला, सदस्य तीरथ रावटे, कलेक्टर श्रीमती तुलिका प्रजापति, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक यशपाल सिंह, सीईओ जिला पंचायत श्रीमती भारती चंद्राकर, अपर कलेक्टर जीआर मरकाम, अपर कलेक्टर मिथलेश डोंडे, एसडीएम मोहला हेमेंद्र भुआर्य सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि, सरपंचगण, विभागीय अधिकारी-कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

आमाडुला क्लस्टर अंतर्गत आमाडुला, जोबटोला, सोमाटोला, दनगढ़, बोगाटोला, मचांदूर, पिडिंगपार, बिरझुटोला, कोडेमरा, मोतीपुर, पुत्तरगोंदीकला, डुमरटोला एवं मुनगाडीह सहित कुल 13 ग्राम पंचायतों के ग्रामीण बड़ी संख्या में शिविर में पहुंचे। शिविर में विभिन्न विभागों से संबंधित आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें मांग एवं शिकायतों पर संबंधित विभागों द्वारा प्राथमिकता के साथ कारर्वाई प्रारंभ की गई। शिविर में विभिन्न विभागों द्वारा स्टॉल लगाकर ग्रामीणों को शासन की योजनाओं, पात्रता एवं लाभ प्राप्त करने की प्रक्रिया की जानकारी दी गई। पात्र हितग्राहियों को मौके पर प्रमाण पत्र, सहायता राशि, सामग्री एवं अन्य लाभ वितरित किए गए। स्वास्थ्य, कृषि, महिला एवं बाल विकास, शिक्षा, पंचायत एवं ग्रामीण विकास तथा समाज कल्याण विभाग सहित अन्य विभागों ने ग्रामीणों को योजनाओं से जोड़ने एवं जागरूकता बढ़ाने का कार्य किया।

खास खबर

अग्निवीर भर्ती के परिणाम घोषित, छत्तीसगढ़ के 1163 उम्मीदवारों को मिली सफलता

नई दृष्टिबिंदु / कवर्धा

सेना भर्ती कार्यालय द्वारा जनवरी माह में धमतरी (छ.ग.) में आयोजित भारतीय सेना अग्निवीर भर्ती के विभिन्न पदों का परिणाम 25 मई 2026 को घोषित कर दिया गया है जिसमें छत्तीसगढ़ के 1163 युवाओं को सफलता प्राप्त हुई है। यह परिणाम भारतीय सेना की वेबसाइट www.joinindianarmy.nic.in पर उपलब्ध है तथा सेना भर्ती कार्यालय, रायपुर (छ.ग.) के नोटिस बोर्ड पर भी प्रदर्शित किया गया है।

सभी उत्तीर्ण उम्मीदवारों को 28 मई 2026 को सुबह 07 बजे सभी मूल दस्तावेजो के साथ सेना भर्ती कार्यालय रायपुर (छ.ग.) (जो कि शहीद वीर नारायण सिंह अंतरर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम, नया रायपुर के पास स्थित है) मे प्रारंभिक निर्देशों के लिए उपस्थित होने के निर्देश हैं। सेना भर्ती कार्यालय ने स्पष्ट किया है कि भारतीय सेना में चयन पारदर्शी है और केवल योग्यता के आधार पर चयन होता है। उम्मीदवारों को दलालों से सावधान रहने की सलाह दी जाती है। उम्मीदवार किसी भी स्पष्टीकरण के लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम के नजदीक, सेना भर्ती कार्यालय नया रायपुर के टेलीफोन नम्बर 0771-2965212, 2965214 पर संपर्क कर सकते हैं।

स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण अंतर्गत ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम 2026 पर एक दिवसीय कार्यशाला

कवर्धा। स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण अंतर्गत एक दिवसीय कायर्शाला का

आयोजन जनपद पंचायत कवर्धा के सभागार कक्ष में किया गया। कार्यशाला में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम 2026 का वाचन कर प्रतिभागियों को नियमों एवं उनके प्रभावी क्रियान्वयन संबंधी विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। कायर्शाला का प्रशिक्षण जिला समन्वयक स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण संजय सोनी द्वारा दिया गया। उन्होंने ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छता बनाए रखने, कचरा पृथक्करण, ठोस अपशिष्ट के सुरक्षित निपटान एवं जनभागीदारी की भूमिका पर विस्तार से जानकारी दी। प्रशिक्षण के दौरान उपस्थित जनप्रतिनिधियों, सरपंचों, सचिवों एवं बिहान कैडर की महिलाओं को स्वच्छता संबंधी नियमों के पालन एवं ग्राम स्तर पर जागरूकता बढ़ाने हेतु प्रेरित किया गया। साथ ही ठोस अपशिष्ट प्रबंधन को प्रभावी बनाने के लिए आवश्यक उपायों एवं व्यवहारिक पहलुओं पर भी चर्चा की गई। कार्यशाला में जनप्रतिनिधि, ग्राम पंचायतों के सरपंच, सचिव, बिहान कैडर की महिलाएं सहित अन्य संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

महिला सशक्तिकरण केन्द्र में आईटी असिस्टेंट पद के लिए आवेदन आमंत्रित

कवर्धा। भारत सरकार द्वारा महिलाओं की सुरक्षा, संरक्षण एवं सशक्तिकरण के उद्देश्य से प्रारंभ की गई अम्ब्रेला योजना मिशन शक्ति अंतर्गत जिला स्तर पर संचालित जिला स्तरीय महिला सशक्तिकरण केन्द्र (हब) में आईटी असिस्टेंट पद पर संविदा भर्ती की जाएगी। जारी विज्ञापन अनुसार जिला स्तरीय महिला सशक्तिकरण केन्द्र (हब) में आईटी असिस्टेंट (अनारक्षित) के आरक्षित पद की पूर्ति हेतु इच्छुक एवं पात्र अभ्यर्थियों से आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। अभ्यर्थी निर्धारित प्रारूप में आवेदन पत्र पंजीकृत डाक, स्पीड पोस्ट अथवा कोरियर के माध्यम से कार्यालय जिला कार्यक्रम अधिकारी, महिला एवं बाल विकास विभाग, जिला कबीरधाम में जमा कर सकते हैं। आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि 23 जून, मंगलवार को कार्यालयीन समय शाम 5.30 बजे तक निर्धारित की गई है। निर्धारित तिथि एवं समय के पश्चात प्राप्त आवेदनों पर कोई विचार नहीं किया जाएगा। विज्ञापन से संबंधित विस्तृत जानकारी कार्यालय जिला कार्यक्रम अधिकारी, महिला एवं बाल विकास विभाग, जिला कबीरधाम के सूचना पटल एवं जिले की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध कराई गई है।

भोरमदेव मंदिर के इतिहास की झलक दिखे संग्रहालय में - उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा

उपमुख्यमंत्री ने भोरमदेव कॉरिडोर निर्माण का किया निरीक्षण, बैठक में की प्रगति की समीक्षा

नई दृष्टिबिंदु / कवर्धा

स्वदेश दर्शन योजना के तहत भोरमदेव क्षेत्र में चल रहे 146 करोड़ रुपए के भोरमदेव कॉरिडोर निर्माण कार्य को लेकर उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने आज भोरमदेव स्थित सर्किट हाउस में समीक्षा बैठक ली। बैठक में रायपुर से पहुंचे पर्यटन विभाग के एमडी विवेक आचार्य भी मौजूद रहे। बैठक के पहले उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, निर्माण एजेंसीज के इंजिनियर्स और ठेकेदारों के साथ पूरे प्रोजेक्ट एरिया का भ्रमण कर चल रहे कार्यों का विस्तार से मुआयना किया। जिसके पश्चात उन्होंने बैठक लेकर परियोजना के हर हिस्से पर चल रहे काम और आगे की काययीजना की बारी-बारी समीक्षा की। समीक्षा बैठक में मंदिर परिसर, प्रवेश द्वार, संग्रहालय, पर्यटक सुविधाओं से जुड़े निर्माण कार्यों के प्रोजेक्ट प्लान के अनुसार बेस वर्क, परिसर की लैंडस्केपिंग व वृक्षारोपण, सरोवर के सौंदर्यीकरण जैसे बिंदुओं पर मैराथन समीक्षा हुई।

उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने कहा कि यह परियोजना आने वाले कई सालों की जरूरतों को ध्यान में रखकर तैयार की जा रही है, इसलिए हर कार्य मजबूत, टिकाऊ और मानक अनुसार होना चाहिए। उन्होंने सख्त और स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि निर्माण कार्य में गुणवत्ता से किसी भी तरह का समझौता नहीं किया जाएगा। कार्य निर्धारित समय सीमा में पूरा किया जाए और इसके लिए पर्याप्त मशीनरी और मानव संसाधन बढ़ाया जाए। किसी भी स्थिति में कार्य में देरी स्वीकार नहीं की जाएगी। यदि किसी प्रकार की तकनीकी या अन्य कोई समस्या आती है तो उसकी जानकारी तुरंत दी जाए, आवश्यक काम प्रभावित नहीं होना चाहिए।

समीक्षा बैठक में उप मुख्यमंत्री ने हर सोमवार होने वाली प्रगति मॉनिटरिंग की जानकारी ली और अब तक हुए कार्यों की विस्तार से समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे नियमित रूप से फील्ड में मौजूद रहें और निर्माण कार्य की लगातार निगरानी करें। उन्होंने पर्यटन विभाग के इंजीनियरों को भी निर्देशित किया कि वे निर्माण एजेंसियों को तकनीकी सहयोग उपलब्ध कराएं ताकि कार्य की गति और गुणवत्ता दोनों बनी रहे। बैठक के दौरान मंदिर परिसर, सरोवर, मड़वा महल, छेरकी महल, रामचुआ तथा सरोदा डैम से जुड़े निर्माण कार्यों की भी विस्तार से समीक्षा की गई और उनकी प्रगति पर चर्चा हुई। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि कॉरिडोर के प्रवेश द्वार, खंभों और दीवारों में फणी नागवंशी स्थापत्य शैली की स्पष्ट झलक दिखाई देनी चाहिए ताकि यहां आने वाले श्रद्धालु और पर्यटक छत्तीसगढ़ की प्राचीन संस्कृति से जुड़ सकें। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि द्वार पर स्थापित होने वाला नंदी प्रतिमा विशाल और आकर्षक हो जिससे परिसर का भव्य स्वरूप और अधिक प्रभावी दिखे।

उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने आदिवासी संग्रहालय के विकास और विस्तार पर भी जोर दिया और कहा कि भोरमदेव क्षेत्र की ऐतिहासिक और पौराणिक कथाओं को संग्रहालय में प्रभावी तरीके से प्रदर्शित किया जाए। साथ ही मंदिर निर्माण की पूरी कथा और इतिहास को भी वहां दर्शाया जाए ताकि पर्यटकों को जानकारी मिल सके। उप मुख्यमंत्री ने स्वच्छता और सुविधाओं पर भी विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि महिला और पुरुष शौचालय अलग-अलग और व्यवस्थित स्थानों पर बनाए जाएं तथा महिलाओं के लिए सुविधाजनक दूरी पर शौचालय की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि बारिश के मौसम को ध्यान में रखते हुए पौधरोपण की पूरी तैयारी पहले से कर ली जाए। खुले क्षेत्रों में लैंडस्केपिंग को ध्यान रखते हुए पीपल, बरगद और नीम के पौधों का रोपण तुरंत शुरू किया जाए। बैठक में राजीव लोचन महाराज, जिला पंचायत उपाध्यक्ष कैलाश चंद्रवंशी, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष विदेशी राम धुर्वे, जनपद उपाध्यक्ष बोड़ला नंद श्रीवास, राम किंकर वर्मा सहित इंजीनियर, ठेकेदार और निर्माण एजेंसी उपस्थित रहे।

जनदर्शन में अपर कलेक्टर ने सुनी लोगों की समस्याएं, दिए कार्यवाही के निर्देश

नई दृष्टिबिंदु / बेमेतरा

कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाई के निर्देशानुसार सोमवार को कलेक्टरेट कार्यालय स्थित जनदर्शन कक्ष में अपर कलेक्टर गुड्डूलाल जगत द्वारा जनदर्शन कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में जिले के विभिन्न ग्रामों एवं शहरी क्षेत्रों से बड़ी संख्या में नागरिक अपनी समस्याएं, मांगें एवं शिकायतें लेकर पहुंचे।

अपर कलेक्टर जगत ने प्रत्येक आवेदक की समस्याओं को गंभीरता एवं संवेदनशीलता के साथ सुना। जनदर्शन के दौरान प्राप्त आवेदनों के संबंध में श्री जगत ने संबंधित विभागीय अधिकारियों को दूरभाष के माध्यम से तत्काल निर्देशित किया तथा आवश्यक मामलों में अधिकारियों को मौके पर उपस्थित होकर त्वरित निराकरण सुनिश्चित करने कहा। कई प्रकरणों में आवेदकों की समस्याओं का समाधान जनदर्शन स्थल पर ही कर दिया गया, जिससे आमजन ने प्रशासन की तत्परता पर संतोष व्यक्त किया।

आयोजित जनदर्शन में कुल 60 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें सामाजिक सुरक्षा योजनाओं, राजस्व प्रकरणों, आधारभूत सुविधाओं एवं जनकल्याणकारी योजनाओं से जुड़े मामले प्रमुख रूप से शामिल रहे। तात्कालिक महत्व के आवेदनों का शीघ्र निराकरण किया गया, जबकि गंभीर एवं जांच योग्य प्रकरणों को टीएल पंजी में दर्ज कर संबंधित विभागों को समय-सीमा में कारर्वाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। जनदर्शन में निराश्रित पेंशन, वृद्धा पेंशन, दिव्यांग पेंशन, प्रधानमंत्री आवास योजना, बैटरी चालित ट्रायसायकल प्रदाय, कटा हुआ रकबा जोड़ने, खाद गड्ढा हटाने, आम रास्ता खुलवाने, राशन कार्ड सुधार, पेयजल समस्या, विद्युत आपूर्ति, राजस्व सीमांकन एवं भूमि संबंधी विवादों से संबंधित आवेदन प्राप्त हुए। नागरिकों ने शासन की विभिन्न योजनाओं से लाभ दिलाने की मांग भी प्रशासन के समक्ष रखी।

अपर कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनदर्शन में प्राप्त प्रत्येक आवेदन का संवेदनशीलता, पारदर्शिता एवं प्राथमिकता के साथ निराकरण किया जाए। उन्होंने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप आम नागरिकों की समस्याओं का समयबद्ध समाधान प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है तथा किसी भी पात्र हितग्राही को योजनाओं के लाभ से वंचित नहीं रहने दिया जाएगा। जनदर्शन कार्यक्रम के दौरान विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

प्रथम बस्तर आवासीय खेल अकादमी हेतु चयन प्रक्रिया प्रारंभ

बेमेतरा। खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा प्रथम बस्तर आवासीय खेल अकादमी में प्रवेश हेतु राज्य स्तरीय चयन ट्रायल 2026-27 की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है। यह चयन ट्रायल अकादमी संचालन नियम 2014 के अंतर्गत आयोजित किया जा रहा है। विभाग द्वारा तीरंदाजी, फुटबॉल एवं एथलेटिक्स खेल विधाओं के लिए 28 एवं 29 मई 2026 को क्रीड़ा परिसर धरमपुरा, जगदलपुर में चयन ट्रायल आयोजित किया जाएगा। चयन प्रक्रिया में 13 से 17 वर्ष आयु वर्ग के बालक एवं बालिका खिलाड़ी भाग ले सकेंगे। चयन ट्रायल में फुटबॉल के लिए 25 खिलाड़ियों तथा एथलेटिक्स एवं तीरंदाजी के लिए 20-20 खिलाड़ियों की संख्या निर्धारित की गई है। प्रथम दिवस खिलाड़ियों का पंजीयन, दस्तावेज परीक्षण एवं शारीरिक दक्षता परीक्षण किया जाएगा, जबकि द्वितीय दिवस खेल कौशल परीक्षण आयोजित होगा। विभाग ने बताया कि चयन ट्रायल में ऐसे खिलाड़ियों को प्राथमिकता दी जाएगी जिन्होंने संबंधित खेल विधा में राज्य अथवा राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में भाग लिया हो या पदक प्राप्त किया हो। साथ ही चयनित होने के पश्चात आवासीय अकादमी में रहने के इच्छुक खिलाड़ी ही पात्र होंगे।

प्रधानमंत्री आवास योजना में लापरवाही पर सख्ती, जनपद पंचायत साजा में हुई विशेष सुनवाई

नई दृष्टिबिंदु / बेमेतरा

प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के अंतर्गत स्वीकृत आवासों के निर्माण कार्य में तेजी लाने और लंबित आवासों को शीघ्र पूर्ण कराने के उद्देश्य से जनपद पंचायत साजा में विशेष सुनवाई (पेशी) आयोजित की गई। यह सुनवाई जिला प्रशासन बेमेतरा के निर्देशानुसार तथा जनपद पंचायत साजा के मुख्य कार्यपालन अधिकारी सोमनाथ साहू के मार्गदर्शन में जनपद पंचायत सभाकक्ष में संपन्न हुई।

सुनवाई विशेष रूप से उन हितग्राहियों के लिए आयोजित की गई थी, जिन्हें योजना के तहत दूसरी किश्त की राशि प्राप्त हो चुकी है, लेकिन इसके बावजूद उनके आवास निर्माण कार्य अब तक पूर्ण नहीं हो पाए हैं। प्रशासन ने इसे गंभीरता से लेते हुए हितग्राहियों को तलब कर निर्माण कार्य की वास्तविक स्थिति की समीक्षा की।

जानकारी के अनुसार, इस विशेष सुनवाई के लिए कुल 312 हितग्राहियों को नोटिस जारी किया गया था। निर्धारित समय पर 120 हितग्राही उपस्थित होकर अपनी स्थिति से अवगत कराया। वहीं अनुपस्थित हितग्राहियों को आगामी दिनों में पुनः बुलाया जाएगा तथा आवश्यक कारर्वाई की जाएगी। सुनवाई के दौरान जनपद पंचायत साजा के विकासखंड समन्वयक, तकनीकी सहायक (आवास), संबंधित ग्राम पंचायतों के सचिव एवं रोजगार सहायकों की उपस्थिति रही। अधिकारियों द्वारा प्रत्येक हितग्राही के आवास निर्माण की प्रगति की जानकारी प्रस्तुत की गई तथा निर्माण कार्य में हो रही देरी के कारणों की समीक्षा की गई।

निर्धारित की गई सख्त समय-सीमा

जनपद पंचायत सीईओ सोमनाथ साहू ने उपस्थित हितग्राहियों को स्पष्ट रूप से चेतावनी देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना शासन की महत्वपूर्ण जनकल्याणकारी योजना है और इसमें लापरवाही किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने निर्माण की वतर्मान स्थिति के आधार पर अलग-अलग चरणों के लिए समय-सीमा निर्धारित की- चौखट स्तर तक पहुंचे आवासों को 30 दिनों के भीतर पूर्ण करना होगा। छत स्तर तक पहुंचे आवासों को 20 दिनों के भीतर पूरा करना अनिवार्य होगा। जिन आवासों की छत ढलाई हो चुकी है, उन्हें 07 दिनों के भीतर पूर्ण करना होगा। प्रशासन ने हितग्राहियों को कड़े शब्दों में निर्देशित किया कि निर्धारित समय-सीमा के भीतर आवास निर्माण पूर्ण नहीं करने पर नियमानुसार सख्त कारर्वाई की जाएगी। सुनवाई के दौरान उपस्थित सभी हितग्राहियों से सहमति पत्र भी भरवाया गया।

मनरेगा में बेमेतरा की बड़ी उपलब्धि, 7.44 लाख मानव दिवस सृजन के साथ राज्य के शीर्ष 5 जिलों में शामिल

नई दृष्टिबिंदु / बेमेतरा

महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) अंतर्गत बेमेतरा जिले में ग्रामीण परिवारों को मांग अनुसार रोजगार उपलब्ध कराने की दिशा में उल्लेखनीय कार्य किया जा रहा है। जल संरक्षण एवं स्थायी परिसंपत्तियों के निर्माण को प्राथमिकता देते हुए जिले में व्यापक स्तर पर रोजगार सृजन किया गया है।

वित्तीय वर्ष 2026-27 में अब तक जिले के लगभग 70 हजार परिवारों द्वारा रोजगार की मांग की गई, जिसके अनुरूप सभी पात्र परिवारों को रोजगार उपलब्ध कराया गया। इसके परिणामस्वरूप जिले में लगभग 7.44 लाख मानव दिवस का सृजन हुआ है। मानव दिवस सृजन के मामले में बेमेतरा जिला पूरे प्रदेश के शीर्ष 5 जिलों में शामिल होकर एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। यह उपलब्धि दर्शाती है कि जिले में रोजगार मांग और रोजगार उपलब्धता के बीच संतुलित एवं प्रभावी कार्यप्रणाली विकसित की गई है। जिला प्रशासन द्वारा श्रमिकों को समय पर रोजगार उपलब्ध कराने के लिए सतत मॉनिटरिंग एवं योजनाबद्ध तरीके से कार्य कराया जा रहा है।

प्रतिदिन 55 हजार श्रमिकों को मिल रहा रोजगार

दैनिक श्रमिक संलग्नता के स्तर पर भी बेमेतरा जिला बेहतर प्रदर्शन कर रहा है। वतर्मान में जिले में लगभग 55 हजार श्रमिकों को कार्य देने की क्षमता के अनुरूप ई-मस्टर जारी कर नियमित रोजगार उपलब्ध कराया जा रहा है। ग्राम पंचायत स्तर पर श्रम आधारित कार्यों का संचालन निरंतर जारी है, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के अवसर बढ़े हैं।

मनरेगा अंतर्गत जिले में जल संरक्षण से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता दी जा रही है। इसके तहत हाफ नदी पुनर्जीवन, रिचार्ज पिट निर्माण, खेत तालाब निर्माण, सामुदायिक परिसंपत्तियों के निर्माण सहित विभिन्न स्थायी प्रकृति के कार्य संचालित किए जा रहे हैं। इन कार्यों से ग्रामीणों को रोजगार मिलने के साथ-साथ जल संरक्षण, भू-जल संवर्धन और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को दीघर्कालीन लाभ प्राप्त होगा। जिला प्रशासन का मानना है कि ऐसे स्थायी कार्य भविष्य में कृषि उत्पादन बढ़ाने, जल संकट कम करने और ग्रामीण क्षेत्रों की आर्थिक स्थिति मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

तकनीकी समस्याओं के बावजूद बेहतर प्रदर्शन

वित्तीय वर्ष की शुरुआत में नरेगा एमआईएस पोर्टल में तकनीकी समस्याओं के कारण अप्रैल माह में कार्य निष्पादन प्रभावित हुआ था। हालांकि तकनीकी सुधार के बाद स्थिति सामान्य हुई और वतर्मान में मांग अनुसार सभी श्रमिकों को रोजगार उपलब्ध कराया जा रहा है। अप्रैल माह में लक्ष्य के विरुद्ध मानव दिवस सृजन में जिले की उपलब्धि 56 प्रतिशत रही, जो राज्य की औसत उपलब्धि 42 प्रतिशत से काफी अधिक है। यह दर्शाता है कि चुनौतियों के बावजूद बेमेतरा जिला मनरेगा कार्यों के संचालन में प्रभावी प्रदर्शन कर रहा है।

अधिक से अधिक मांग पंजीयन कराने की अपील

जिला प्रशासन ने जिले के सभी ग्रामीण परिवारों से अपील की है कि मनरेगा अंतर्गत रोजगार प्राप्त करने के लिए अधिक से अधिक संख्या में अपने ग्राम पंचायतों में मांग पंजीयन कराएं और उपलब्ध कार्यों में सक्रिय सहभागिता निभाएं। प्रशासन ने बताया कि जिले की सभी ग्राम पंचायतों में पर्याप्त मात्रा में श्रममूलक कार्य स्वीकृत एवं संचालित किए जा रहे हैं, जिससे ग्रामीण परिवारों को स्थानीय स्तर पर रोजगार उपलब्ध हो सके और ग्रामीण विकास को नई गति मिल सके।

पेपर लीक पर विधायक देवेंद्र यादव ने उठाए सवाल, केंद्रीय शिक्षा मंत्री से मांगा इस्तीफा

छात्रों से मिलकर जानी पीड़ा : बोले- 18 घंटे पढ़ाई के बाद लीक का डर, युवा आक्रोशित

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

नीट परीक्षा में पेपर लीक और कथित धांधली को लेकर भिलाई नगर विधायक देवेंद्र यादव ने केंद्र सरकार पर बड़ा हमला बोला है। उन्होंने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान से इस्तीफे की मांग की है। विधायक रविवार को एक कोचिंग संस्थान पहुंचे, जहां उन्होंने नीट की तैयारी कर रहे छात्र-छात्राओं से मुलाकात कर उनकी पीड़ा सुनी।

मेहनत पर फिर पानी फिरने का डर

विधायक देवेंद्र यादव ने बताया कि छात्रों ने अपनी व्यथा साझा की। एक छात्र ने कहा कि उसे पूरा आत्मविश्वास था कि वह नीट अच्छे से पास कर लेगा, लेकिन पेपर लीक और रि-एग्जाम की खबर से उसका मोमेंटम टूट गया। पहले वह 15 से 18 घंटे पढ़ता था, अब मन नहीं लग रहा। एक छात्रा ने कहा कि पेपर लीक से पूरी मेहनत पर पानी फिर गया। वह फिर से तैयारी करेगी, लेकिन डर है कि इस बार फिर पेपर लीक न हो जाए।

जमीन बेचकर फीस भरी, अब पैसे नहीं बचे

एक छात्र ने विधायक को बताया कि उसके माता-पिता ने जमीन बेचकर कोचिंग की फीस भरी थी, ताकि भिलाई में पढ़कर उसका कॅरियर बने। लेकिन पेपर लीक हो गया। अब न कोचिंग की फीस वापस होगी, न दोबारा तैयारी के लिए पैसे बचे हैं। छात्र ने कहा कि वह पूरी तरह निराश हो चुका है और आत्मविश्वास खो चुका है।

सिर्फ खानापूर्ति, बड़े लोगों को बचाया जा रहा

विधायक देवेंद्र यादव ने कहा कि छात्रों के मन में डर बैठ गया है कि पूरी मेहनत के बाद सालों की तपस्या एक बार फिर बेकार हो जाएगी। उन्होंने आरोप लगाया कि पेपर लीक के दोषियों पर कार्रवाई नहीं हो रही, बड़े जिम्मेदार लोगों को बचाया जा रहा है। सिर्फ एक-दो लोगों को पकड़कर खानापूर्ति की जा रही है। इससे युवाओं में आक्रोश है। विधायक ने कहा कि डबल इंजन की सरकार से अपील है कि केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान इस्तीफा दें और सभी जिम्मेदार अधिकारी-कमर्चारियों पर सख्त कार्रवाई हो। छात्रों की पीड़ा का वीडियो भी विधायक ने शेयर किया है।

कार्यकर्ता ही संगठन की रीढ़ : किरण देव सिंह, संगठन विस्तार पर दिया गया जोर

भाजपा का जिला प्रशिक्षण वर्ग शुरू, प्रदेश अध्यक्ष किरण देव ने किया उद्घाटन

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

भारतीय जनता पार्टी जिला भिलाई द्वारा आयोजित पंडित दीनदयाल उपाध्याय जिला प्रशिक्षण वर्ग का शुभारंभ रविवार को उत्साहपूर्ण माहौल में हुआ। प्रदेश अध्यक्ष किरण देव सिंह ने ध्वजारोहण और दीप प्रज्ज्वलन कर प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। इसके बाद टोली ने प्रदर्शनी का अवलोकन कराया। प्रथम सत्र की शुरुआत दीप प्रज्ज्वलन से हुई। वंदे मातरम और राष्ट्रगीत के बाद स्थानीय उत्पादों से अतिथियों का स्वागत किया गया। प्रशिक्षण वर्ग के महत्व पर चर्चा की गई।

उद्घाटन सत्र में पुरुषोत्तम देवांगन ने संगठनात्मक विषयों पर मार्गदर्शन दिया। मुख्य उद्बोधन प्रदेश अध्यक्ष किरण देव सिंह ने दिया। उन्होंने कहा कि भाजपा में कार्यकर्ता ही संगठन की रीढ़ हैं। संगठन की सफलता और जनसेवा का आधार कार्यकर्ताओं की सक्रियता और विकास पर निर्भर है। पार्टी कार्यकर्ताओं के प्रशिक्षण और व्यक्तित्व विकास के लिए निरंतर प्रयास करती है। एक सशक्त कार्यकर्ता ही समाज और राष्ट्र के विकास में अहम भूमिका निभाता है।

कार्यक्रम में प्रेम प्रकाश पांडेय, सरस्वती बंजारे, शताब्दी पांडेय, गोल्डी और डोमन लाल कोसेवाडा विशेष रूप से उपस्थित रहे। प्रशिक्षण वर्ग में जिला उपाध्यक्ष त्रिलोचन सिंह, नटवर ताम्रकार, गोपाल कृष्ण वर्मा, पूनम शुक्ला, चंद्रकांता मांडले, चिन्ना केशवलू, महामंत्री मनीष अग्रवाल, सुषमा जेठानी, मंत्री विनोद सिंह, रश्मि सिंह, भारती साहू, मनोज तिवारी, पारस जंघेल, कुबेर शर्मा, कोषाध्यक्ष शैलेंद्र सिंह समेत जिले के पदाधिकारी, मंडल अध्यक्ष, मोर्चा-प्रकोष्ठ के पदाधिकारी और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता शामिल हुए। महिला मोर्चा अध्यक्ष स्वीटी कौशिक, अनुसूचित जनजाति अध्यक्ष तुलसी राम ध्रुव, पिछड़ा वर्ग अध्यक्ष दिनेश देवांगन, अनुसूचित जाति मोर्चा अध्यक्ष खगेश केसरिया सहित सभी मंडल अध्यक्ष और महामंत्रियों का योगदान रहा।

चलती बीएमडब्ल्यू में सनरूफ से डांस करती युवती का वीडियो वायरल, पुलिस ने कार जब्त की

बिलासपुर। चलती बीएमडब्ल्यू कार की सनरूफ खोलकर डांस करने का वीडियो सामने आया है। मामला चकरभाठा थाना क्षेत्र के रायपुर-बिलासपुर नेशनल हाईवे का है। वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस ने कार जब्त कर चालक को थाने ले गई। जानकारी के मुताबिक, रविवार 24 मई की रात शुभम विहार निवासी प्रतीक लूथर (36) अपनी गर्लफ्रेंड के साथ इटह में घूमने निकला था। हाईवे पर तेज रफ्तार कार की सनरूफ खोलकर युवती डांस करने लगी।

पीछे चल रहे किसी राहगीर ने मोबाइल से वीडियो बना लिया और सोशल मीडिया पर डाल दिया। ट्रैफिक पुलिस ने कार के रजिस्ट्रेशन नंबर के आधार पर चालक की पहचान की। प्रतीक लूथर रिटायर्ड फॉरेस्ट ऑफिसर का बेटा है और ट्रेडिंग का काम करता है। पूछताछ में उसने ट्रैफिक नियम तोड़ना स्वीकार किया। पुलिस ने इटह कार जब्त कर ली है। प्रतीक लूथर के खिलाफ मोटर व्हीकल एक्ट और यातायात नियमों के तहत कार्रवाई की गई है। पुलिस ने बताया कि चलती गाड़ी में इस तरह का स्टंट जानलेवा हो सकता है।

इबोला को लेकर रायपुर एयरपोर्ट पर अलर्ट बाहर से आने वाले यात्रियों की जांच अनिवार्य

स्वास्थ्य संचालनालय ने जारी किए रोकथाम के लिए निर्देश जारी

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

इबोला वायरस के खतरे को देखते हुए रायपुर के स्वामी विवेकानंद एयरपोर्ट पर अलर्ट जारी कर दिया गया है। एयरपोर्ट पर बाहर से आने वाले सभी यात्रियों की जांच अनिवार्य कर दी गई है। संचालनालय स्वास्थ्य सेवाएं, छत्तीसगढ़ ने इबोला संक्रमण की रोकथाम को लेकर सभी संबंधित अधिकारियों को जरूरी निर्देश जारी किए हैं। इसके तहत एयरपोर्ट पर विशेष सतकर्ता बरती जा रही है।

स्वास्थ्य विभाग ने एयरपोर्ट प्रबंधन, इमिग्रेशन और मेडिकल टीम को संदिग्ध लक्षण वाले यात्रियों की पहचान, आइसोलेशन और रिपोर्टिंग के लिए तैयार रहने को कहा है। विदेश से आने वाले यात्रियों की थर्मल स्क्रीनिंग और ट्रैवल हिस्ट्री की जांच की जा रही है।

अधिकारियों के मुताबिक, इबोला के प्रसार को रोकने के लिए यह एहतियाती कदम उठाया गया है। यात्रियों से अपील की गई है कि वे जांच में सहयोग करें और बुखार, सिरदर्द या शरीर में दर्द जैसे लक्षण दिखने पर तुरंत स्वास्थ्य केंद्र में सूचना दें।

फटिर्लाइजर-डीजल संकट से खरीफ की खेती पर संकट

किसान संगठन ने प्रति एकड़ 30 हजार क्षतिपूर्ति मांगी

छत्तीसगढ़ प्रगतिशील किसान संगठन बोला : संकट के लिए किसान जिम्मेदार नहीं, उपज 50% तक घटने की आशंका

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

फटिर्लाइजर का कम आबंटन और डीजल संकट के चलते चालू खरीफ सीजन में खेती करना मुश्किल होता जा रहा है। छत्तीसगढ़ प्रगतिशील किसान संगठन ने सरकार से मांग की है कि किसानों को समय पर खाद-डीजल उपलब्ध कराया जाए, अन्यथा प्रति एकड़ 30 हजार रुपए की आर्थिक क्षतिपूर्ति दी जाए।

उपज 50% तक घटने की आशंका

संगठन के संयोजक एड राजकुमार गुप्त ने कहा कि सरकार द्वारा फटिर्लाइजर का आबंटन घटाने और डीजल संकट के कारण खेती-किसानी लगभग असंभव लग रही है। तमाम प्रयासों के बावजूद खेती का रकबा और खाद्यान्न समेत अन्य उपजों का उत्पादन 50% तक कम होने की आशंका है।

कर्ज और आत्महत्या का खतरा

उन्होंने कहा कि खेती से आमदनी न होने पर किसान कर्ज में डूब सकते हैं। भीषण महंगाई में घर का खर्च चलाना मुश्किल हो जाएगा। कुछ किसान आत्महत्या करने और कई किसान खेत बेचने के लिए मजबूर हो सकते हैं।

संकट के लिए किसान जिम्मेदार नहीं

एड गुप्त ने कहा कि फटिर्लाइजर और ऊर्जा संकट के लिए किसान जिम्मेदार नहीं हैं, लेकिन इसका खामियाजा किसानों को भुगतना पड़ सकता है। सरकार को चाहिए कि खेती-किसानी के संकट से राहत देने के लिए जरूरत के अनुसार समय पर फटिर्लाइजर और डीजल उपलब्ध कराए। यदि सरकार ऐसा नहीं कर पाती तो किसानों को प्रति एकड़ 30 हजार रुपए की क्षतिपूर्ति राशि दी जाए।

क्र.	पाठ्यक्रम का नाम	क्र.	पाठ्यक्रम का नाम
1.	फायर टेक्नोलॉजी एण्ड इंडस्ट्रियल सेफ्टी	5.	पी. जी. कोर्स व्यावसायिक सेफ्टी, स्वास्थ्य व पर्यावरण मैनेजमेंट सिस्टम
2.	इंडस्ट्रियल सेफ्टी / पी. जी. इंडस्ट्रियल सेफ्टी	6.	हैल्थ सेनेटरी इंस्पेक्टर
3.	बी.एस.सी. इन फायर सेफ्टी	7.	सब- फायर ऑफिसर
4.	पी. जी. कोर्स फायर एवं इंडस्ट्रियल सेफ्टी	8.	सर्टिफिकेट इन फायरमैन-इंडस्ट्रियल सेफ्टी

(An Authorized Training Centre of AEERO)
फायर सेफ्टी एवं डिजास्टर मैनेजमेंट इंस्टीट्यूट
(मान्यता प्राप्त निजी प्रशिक्षण संस्थान)
कैंपस :- इंदिरा गांधी इंग्लिश मीडियम स्कूल, सुपेला, भिलाई, जिला-दुर्ग, छत्तीसगढ़
ADMISSION HELPLINE: 7697212782

"यह समाचार पत्र आलोक तिवारी द्वारा 80/बी, मैत्री विहार, राधिका नगर, सुपेला, भिलाई, जिला दुर्ग, (छत्तीसगढ़)-490023 से आलोक तिवारी की ओर से प्रकाशित की जाती है, जिसका संपादन आलोक तिवारी द्वारा किया जाता है तथा इसका मुद्रण समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स द्वारा प्लॉट नं. 339/6, गली नं. 02, पाटन, थाना उतई, दुर्ग, (छ.ग.)-491111 पर किया जाता है। (समाचार चयन के लिए PRP Act, 2023 के तहत संपादक जिम्मेदार है)। समस्त विवादों का निपटारा न्यायालयीन क्षेत्र दुर्ग होगा।" संपादक आलोक तिवारी, मो. 74154-69100